RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 255 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 06 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

अपने को भगवान मत समझो : भागवत

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कार्यकर्ताओं को सलाह दी है कि वे यह ना समझें की वह भगवान बन गए हैं। उन्होंने पुणे में भाषण देते हुए कहा कि विचार की गहराई काम की ऊंचाई को बढ़ाती है। हम भगवान बनेंगे या नहीं ये तो लोग तय करेंगे।

उन्होंने आगे कह कि कुछ लोग सोचते हैं कि हमें सुलगने के बजाय बिजली की तरह चमकना चाहिए। लेकिन बिजली गिरने के बाद पहले से भी ज्यादा अंधेरा हो जाता है। इसलिए कार्यकर्ताओं को बिजली नहीं, बल्कि दिए की तरह जलना चाहिए। जब जरूरी हो तब चमकें। लेकिन ध्यान रखें कि जब यह चमकेगा तो आपके सिर पर नहीं चढ़ेगा।

मोहन भागवत ने सलाह दी कि विचार की गहराई काम की ऊंचाई को बढ़ाती है। आरएसएस प्रमुख ने पूर्व सीमा विकास प्रतिष्ठान के कार्यक्रम में मणिपुर में हुई हिंसा पर भी टिप्पणी की। RSS चीफ ने कहा कि मणिपुर में स्थिति गंभीर है, क्योंकि वहां कोई सुरक्षा नहीं है। स्थानीय नागरिक भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ऐसी स्थिति में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक वहां डटे हुए हैं। वहां से भागे नहीं हैं।

RJD से अब दोस्ती कभी नहीं करेंगे : नीतीश

पटना में नड्डा ने की नीतीश कुमार से मुलाकात

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल के साथ अपनी दोस्ती को एक बड़ी गलती बताया है। उन्होंने कहा कि दो बार आरजेडी से दोस्ती की गई जो उनकी गलती थी। अब कभी आरजेडी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा बिहार दौरे पर हैं। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने उन्हें पटना, भागलपुर, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा आदि को बड़ी सौगातें देने के लिए भेजा है। वह भाजपा अध्यक्ष के रूप में बैठक भी करेंगे। उन्होंने आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान नीतीश कुमार ने मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही।

सीएम नीतीश ने कहा कि 2005 से पहले स्वास्थ्य की हालात खराब थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रति माह 39 मरीज आते थे। हमलोग आए तो अस्पताल में मुफ्त दवा की व्यवस्था करवाई गई। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 11 हजार से ज्यादा मरीज आते हैं। अब बताइए पहले क्या करते थे वो लोग? हमसे गलती हुई कि हम दो बार उधर चले गए। आप बताइए, कोई काम किया है क्या वह लोग! 1990 से 2005 तक क्या हाल था? हमलोग अब बिहार के सभी अस्पताल में बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने की कोशिश कर रहे हैं। पीएमसीएच के लिए काम करवा रहे हैं।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आज आईजीआईएमएस में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। आईजीआईएमएस की स्थापना 1984 में हुई थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

आदमखोर भेड़ियों ने दादा-पोते पर बोला हमला

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच में आदमखोर भेड़ियों का आतंक जारी है। महसी इलाके में भेड़िए के आंतक से लोग सहमे हुए हैं। गुरुवार की रात आठ साल के मासूम पर हमले के बाद शुक्रवार की सुबह भी भेड़िए ने दादा-पोते पर हमला बोलकर उन्हें घायल कर दिया। दोनों को एंबुलेंस से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। गुरुवार की रात को क़रीब साढ़े नौ बजे ग्राम पंचायत यादवपुर के लोधनपुरवा गांव में भेड़िए ने हमला बोल दिया। जिसमें मैकूलाल का आठ वर्षीय बेटा संगमलाल घायल हो गया। परिजनों ने उसे बहराइच मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। शुक्रवार सुबह को फिर भेड़िए ने फिर लोधनपुरवा (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेना के कमांडरों से कहा है कि युद्ध के लिए तैयार रहें : राजनाथ सिंह

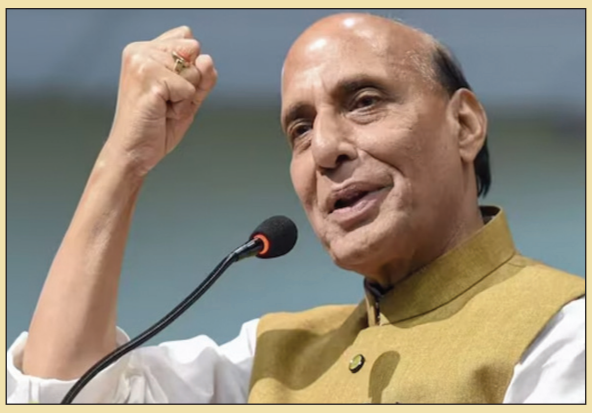

लखनऊ (एजेंसी)। दुनिया भर में बन रहे युद्ध के हालातों के बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि भारत हमेशा से शांति का पुजारी रहा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक हालातों को देखते हुए मैंने सेना कमांडरों को कहा कि हम लोगों को सदैव युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है। भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है। भारत सदैव से शांति का पुजारी है, था और रहेगा।

लेकिन आज जैसी वैश्विक परिस्थितियां हैं, उसे देखते हुए मैंने अपने आर्मी कमांडर्स से कहा था कि विश्व में शांति की स्थापना के लिए, स्वयं भारत में शांति की स्थापना के लिए सदैव हम लोगों को युद्ध के लिए तत्पर रहना चाहिए, तैयार रहना चाहिए. इस उद्देश्य से कहा था ताकि किसी भी सूरत में हमारी शांति भंग ना होने पाए।

उत्तराखंड पब्लिक स्कूल के दो छात्र लापता, अभी तक नहीं लगा कोई सुराग

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-56 स्थित उत्तराखंड पब्लिक स्कूल की कक्षा 8 के लापता दो छात्र नैतिक ध्यानी और अंकित चौरसिया का 24 घंटे के बाद भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा पाई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नैतिक के पिता, राजेंद्र ध्यानी, का कहना है कि दोनों बच्चे गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी स्थित गंगा विहार में रहते हैं और रोज़ स्कूल से सीधे घर आते थे। लेकिन कल से दोनों का कोई अता-पता नहीं लग रहा है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रांसपोर्टर्स यूनियन की आड़ में ट्रकों को चलाने नहीं दे रहे हैं कुछ लोग

ट्रांसपोर्टर्स ने डीएम व एआरटीओ से मिलकर सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। एक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की आड़ में कुछ पदाधिकारियों द्वारा वाहनों को रोकने तथा अवैध वसूली से पीड़ित कई ट्रांसपोर्टर्स ने आज जिलाधिकारी मनीष वर्मा को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में ट्रांसपोर्टर्स ने लिखा कि अनिल चौहान, सोनू नागर तथा नरेश आदि लोगों ने एक अवैध यूनियन बनाई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मुख्यमंत्री योगी आंदोलनरत शिक्षक अभ्यर्थियों से मिलेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लगातार 5वें दिन भी जारी है। हजारों अभ्यर्थी संजय निषाद के आवास के बाहर जमा हुए हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने 2018 की शिक्षक भर्ती के रिक्त पदों को भरने का आदेश दिया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बड़े बेआबरू होकर प्राधिकरण के कूचे से रूखसत हुए डीजीएम!

शासन के आदेश के बाद तत्काल करना पड़ा रिलीव

नोएडा (चेतना मंच)। भगीरथ प्रयासों के बावजूद नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारी उप महाप्रबंधक (डीजीएम) (विद्युत एवं यांत्रिकी) राजेश कुमार को बचा नहीं पाये। अंततः शासन के आदेश के बाद कल उन्हें अपने मूल विभाग यूपीपीसीएल (उप्र पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड) लखनऊ जाना ही पड़ा।

दरअसल शासन ने नोएडा प्राधिकरण में प्रतिनियुक्त पर तैनात राजेश कुमार के तीन वर्ष होने पर मूल विभाग यूपीसीसीएल भेजने का आदेश जारी किया था। राजेश कुमार 7 जनवरी 2021 को वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) के पद पर नोएडा प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर तैनात हुए थे। लेकिन नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों ने शासन

के आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए राजेश कुमार को रिलीव नहीं किया। इस बीच उनकी प्रोन्नति भी उप महाप्रबंधक (डीजीएम) पद पर हो गई। प्राधिकरण के सीईओ की ओर से 27 दिसंबर 2023 को शासन को पत्र लिखकर राजेश कुमार की प्रतिनियुक्ति दो वर्ष तक बढ़ाये जाने का अनुरोध किया था। लेकिन औद्योगिक (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा प्राधिकरण के आधा दर्जन अधिकारियों के कार्यों में बदलाव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में आधा दर्जन अधिकारियों के विभागों में वृद्धि की गई है तथा कुछ के स्थानांतरण किए गए हैं।

महाप्रबंधक (जल) आरपी सिंह को वर्तमान कार्यों के साथ-साथ विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह को वर्तमान कार्यों के साथ-साथ एनटीसी यानी नोएडा ट्रैफिक सेल की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपमहा प्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल को सभी

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

वर्क सर्किल के सिविल कार्यों के साथ-साथ वर्क सर्किल-2 के वरिष्ठ प्रबंधक एवं खेल समिति तथा नोएडा स्पोर्ट्स ट्रस्ट के वर्तमान कार्यों के अलावा टीएसी का भी कार्य सौंपा गया है। वर्क सर्किल-1 के प्रबंधक पारसनाथ सोनकर को वर्क सर्किल-5 का प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक बनाया गया है।

वहीं वर्क सर्किल-1 के सहायक प्रबंधक अजय कुमार यादव को वर्क सर्किल-1 का प्रबंधक तथा वर्क सर्किल-8 के प्रबंधक राजीव कुमार को वर्तमान कार्यों के साथ-साथ वर्क सर्किल-3 की जिम्मेदारी सौंप गई है। यह आदेश नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने जारी किए हैं। बता दें कि विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के उप महाप्रबंधक राजेश कुमार का कल तत्काल प्रभाव से मूल विभाग यूपीपीसीएल में तबादला होने के बाद में जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह को विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग की जिम्मेदारी भी सौंप गई है।

अस्पताल के कैश काउंटर पर बैठे दो कर्मचारियों ने किया लाखों का गबन

गाजियाबाद (चेतना मंच)। साहिबाबाद थाना शालीमार गार्डन स्थित एक निजी अस्पताल के प्रबंध निदेशक ने अपने अस्पताल के दो कर्मचारियों के खिलाफ करीब 63 लाख रुपए के गबन का आरोप लगाते हुए थाना शालीमार गार्डन में रिपोर्ट लिखाई है। दोनों कर्मचारी अस्पताल का कैश काउंटर संभाल रहे थे। आरोप के मुताबिक दोनों कर्मचारियों ने यूपीआई व अन्य माध्यम से अपने निजी अकाउंट में मरीज से पैसे लिए और उसे अस्पताल के अकाउंट में जमा नहीं कराया ।

जानकारी के अनुसार शालीमार गार्डन एक्सटेंशन प्रथम में श्रेया मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक अस्पताल है। अस्पताल के प्रबंधक निदेशक व

चिकित्सक देव प्रसन्न मिश्रा ने थाना शालीमार गार्डन में अपने दो कर्मचारी अंकित चौधरी पुत्र लोकेंद्र सिंह निवासी सी 514 नई सीमापुरी झिलमिल पूर्वी दिल्ली और गजेंद्र सिंह पुत्र जयसिंह निवासी प्लाट संख्या 670 भूतल शालीमार गार्डन एक्सटेंशन एक साहिबाबाद गाजियाबाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने मरीजों से यूपीआई के माध्यम से अपने निजी अकाउंट में पैसे जमा कराए जो प्रथम दृष्टि में लगभग 63 लाख 83हजार326 के करीब हैं इस तथ्य की जानकारी तब हुई जब एक मरीज शिवम गुप्ता एक्सरे कराने आए थे और उन्होंने यूपीआई पेमेंट अंकित चौधरी के मोबाइल पर किया। तब डॉक्टर देव प्रसन्न मिश्रा को शक हुआ और शिवम गुप्ता ने उनसे पूछा कि क्या आपके अस्पताल का यूपीआई, पेटीएम खराब है? इस पर अस्पताल का यूपीआई और पेटीएम चेक किया गया। जांच मेंअस्पताल का यूपीआई और पेटीएम आदि सब ठीक पाए गए।

शक होने पर अस्पताल के प्रबंध निदेशक ने खाते के मिलान कराये तब पता चला के अंकित चौधरी और गजेंद्र सिंह अस्पताल से नगद, यूपीआई, (शेष पृष्ठ-3 पर)

कचरे से प्राधिकरण पैदा करेगा सीएनजी व बायोगैस

इस वर्ष के अंत तक चालू हो जाएंगे प्लांट, अक्टूबर में जारी होंगे टेंडर

नोएडा (चेतना मंच)। इस वर्ष के अंत तक नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-145 स्थित डंपिंग ग्राउंड में गीले कचरे के जरिए सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) तथा बायोगैस बनाएगा। यहां वेस्ट को रेमिडिएट करके सीएनजी, बायो गैस बनाई जाए। इसके लिए यहां पांच छोटे प्लांट लगाए जाएंगे। अक्टूबर में इसके लिए टेंडर जारी होगा। नवंबर- दिसंबर में प्लांट लगा दिए जाएंगे।

नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि ये प्लांट एक दिन में करीब 400 मेट्रिक टन गीले कचरे से 4000 किलो सीएनजी और बायो गैस बनाएंगी। जिसका प्रयोग कामर्शियल रूप में किया जाएगा। ताकि प्लांट चला रही कंपनी अपना खर्चा निकाल सके। टेंडर दो साल के लिए हो सकता है। इसे बढ़ाया भी जा सकता है। वर्तमान में डंपिंग ग्राउंड से

करीब 7.5 लाख मैट्रिक टन कचरा का निपटारा किया जा चुका है। रोजाना करीब 1000 मेट्रिक टन का निपटारा किया जाता है। एक बार एनटीपीसी और इंडो एनवायरो/एवर एनवायरे रिर्सोसेस कंपनी फंक्शन होने पर ये कार्बन क्रेडिट भी देंगी।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि गीले कचरे को ही मिथेनाइज करके सीएनजी या कुकिंग गैस बनाई जाएगी। नोएडा में रोजाना करीब 400 मेट्रिक टन गीला कचरा निकलता है। मानक के अनुसार 1000 किलो गीले कचरे से करीब 10 प्रतिशत यानी 100 किलो गैस बनाई जा सकती है। ऐसे में 400 मेट्रिक टन से करीब 4000 किलो सीएनजी गैस बनाई जाएगी। ये प्रक्रिया दो साल तक होगी। ये प्रक्रिया पांच प्लांट करेंगे। दो साल बाद मेन प्लांट एक्टिव होने पर इनको बंद कर दिया जाएगा।

सीबीजी प्लांट से रोजाना करीब 16 हजार किलो कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) के साथ 100 टन जैविक खाद भी तैयार होगी। कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) का एडवांस रूप है, जिसका गैस संचालित वाहनों में इस्तेमाल किया जा सकेगा। वहीं एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड है। कंपनी रोजाना 1100 टन मिक्स वेस्ट से टेरिफाइड कोयला बनाएगी। जिनमें से अधिकांश का प्रयोग एनटीपीसी स्वयं बिजली उत्पादन में करेगी।

चिकित्सकों का डर

हाल ही में कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार और हत्या की घटना ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य भागों में चिकित्सा बिरादरी के लोग व छात्र-छात्राएं आंदोलनरत रहे हैं। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद घटना थी। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति होती रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। विडंबना है कि एक अमानवीय घटना को राजनीतिक अस्त्र बनाने और उसका प्रतिकार करने का माध्यम बना दिया गया। इसी कड़ी में आनन-फानन में बुलाए गए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र में जल्दीबाजी में बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता' पारित कर दिया गया। यदि किसी महिला के साथ बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या उसे छोड़ भी दिया जाता है, तो विधेयक बलात्कारी के लिये मृत्युदंड का प्रावधान करता है। कहा जा रहा है कि दुराचार के बाद युवा डॉक्टर की निर्मम हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में जो आक्रोश आम लोगों में उपजा है उसको दबाने की यह एक राजनीतिक निहितार्थ वाली प्रतिक्रिया है। दरअसल, यह विधेयक जनता के व्यापक विरोध के बाद सामने आया है। जनता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से न्याय और जवाबदेही की मांग करती रही है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि विधेयक का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शासन की प्रतिबद्धता के प्रति आश्वस्त करना है। हालांकि, ममता सरकार द्वारा आनन-फानन में लाए गए विधेयक ने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि यह कदम राज्यव्यापी असंतोष को शांत करने के लिये महज राजनीति से प्रेरित प्रतिक्रिया है। दरअसल, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेता जनता के भारी विरोध का सामना कर रहे हैं। हाल ही में आंदोलनकारी प्रशिक्षु डॉक्टरों पर भीड़ के हमले और प्रदर्शन के दौरान पुलिस के दमन से लोगों में भारी गुस्सा है। यही नहीं, टीएमसी के कई नेताओं की असंवेदनशील टिप्पणियों ने भी आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ाया है। दरअसल, राज्य के लोगों खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि जिस राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री हो, वहां एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार व हत्या के मामले में राज्य सरकार ने ईमानदार प्रतिक्रिया नहीं दी। टीएमसी के कई नेताओं द्वारा की गई अनर्गल बयानबाजी ने भी आग में घी डालने का काम किया। दरअसल, राज्य सरकार ने इस कांड में किरकिरी होते देख मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के परिवार ने भी उनके साथ किये गए व्यवहार को लेकर तीखा प्रतिवाद किया था। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी व मेडिकल कालेज के परिसर में आंदोलनरत छात्रों पर एक भीड़ के हमले ने यह संदेश दिया कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। इस तरह के कृत्यों से राज्य में घटना का विरोध और तेज होता चला गया। निस्संदेह, इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा जमकर राजनीति की गई, लेकिन जिस तरीके से राज्य सरकार व प्रशासन ने मामले में प्रतिक्रिया दी, उसने लोगों के गुस्से को बढ़ाया ही है। एक पहलू यह भी है कि नया विधेयक केंद्र की भारतीय न्याय संहिता के साथ तालमेल नहीं रखता, जो बलात्कार के लिये मृत्युदंड का प्रावधान नहीं करती। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के इसी तरह के विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के लिये जूझते रहे हैं। दरअसल, विगत के अनुभव बताते हैं कि मौत की सजा इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण करने में सफल नहीं हुई है। कानून के विशेषज्ञ ऐसी तुरत-फुरत सजा को मानव अधिकारों की प्रकृति के विरुद्ध बताते रहे हैं। तभी विधेयक के पारित होने को टीएमसी सरकार की हताशा से उपजा कदम बताया जा रहा है। आने वाले वक्त बताएगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद जमीनी हकीकत में बदलाव लाएगा या फिर कानूनों की लंबी सूची में इजाफा ही करेगा। हालांकि, इस विधेयक को अभी राज्यपाल व राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार करना है, फिर इसकी प्रभावकारिता और नैतिक निहितार्थों से जुड़े व्यापक प्रश्न हमारे सामने खड़े हैं। बेहतर होगा कि राज्य सरकार ऐसे मामलों में जांच और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार करके तेज व निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करे।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि माघ में जब सूर्य मकर राशि पर जाते हैं, तब सब लोग तीर्थराज प्रयाग को आते हैं। देवता, दैत्य, किन्नर और मनुष्यों के समूह सब आदरपूर्वक त्रिवेणी में स्नान करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

पूजहिं माधव पद जलजाता। परसि अखय बटु हरषहिं गाता॥
भरद्वाज आश्रम अति पावन। परम रम्य मुनिबर मन भावन॥

श्री वेणीमाधवजी के चरणकमलों को पूजते हैं और अक्षयवट का स्पर्श कर उनके शरीर पुलकित होते हैं। भरद्वाजजी का आश्रम बहुत ही पवित्र, परम रमणीय और श्रेष्ठ मुनियों के मन को भाने वाला है॥

तहाँ होइ मुनि रिषय समाजा। जाहिं जे मज्जन तीरथराजा॥
मज्जहिं प्रात समेत उछाहा। कहहिं परसपर हरि गुन गाहा॥

तीर्थराज प्रयाग में जो स्नान करने जाते हैं, उन ऋषि-मुनियों का समाज वहाँ (भरद्वाज के आश्रम में) जुटता है। प्रातःकाल सब उत्साहपूर्वक स्नान करते हैं और फिर परस्पर भगवान के गुणों की कथाएँ कहते हैं॥

दो0- ब्रह्म निरूपन धरम बिधि बरनहिं तत्त्व बिभाग।
ककहिं भगति भगवंत कै संजुत ग्यान बिराग॥

ब्रह्म का निरूपण, धर्म का विधान और तत्त्वों के विभाग का वर्णन करते हैं तथा ज्ञान-वैराग्य से युक्त भगवान की भक्ति का कथन करते हैं॥

(क्रमशः..)

स्किल्स और विशेषज्ञता के साथ अच्छा इंसान बनना सिखाता है 'शिक्षक'

कल शिक्षक दिवस था और हममें से कोई भी ऐसा नहीं, जिसके जीवन में इस शब्द का महत्व न हो। हम आज जो कुछ भी है या हमने जो कुछ भी सिखा या जाना है उसके पीछे किसी न किसी का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग व उसे सिखाने की भूमिका रही है। इसलिए आज का दिन प्रत्येक उस व्यक्तित्व के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का व उन सीखे हुए मूल्यों के आधार पर खुशहाल समाज निर्माण में अपनी भूमिका तय करने का दिन भी है। शिक्षक यानि गुरु शब्द का तो अर्थ ही अंधकार (अज्ञान) से प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाने वाला है। भारत में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का श्री गणेश भी हो चुका है। पूरी शिक्षा नीति को देखने पर ध्यान आता है कि उसके क्रियान्वयन व सफ़ल तरीके से उसे मूर्त रुप देने का अगर सीधा-सीधा किसी का नैतिक दायित्व बनता है तो वह शिक्षक का ही है। वर्तमान के आधार को मजबूत करते हुए, भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को चरितार्थ करने व भारत को आगे बढ़ाने के सपनों को अपनी आँखों में भर कर निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा व भाव जागरण का आधार भी शिक्षक है।

जीवन का दायित्वबोध है शिक्षक:-

शिक्षक जो जीवन के व्यावहारिक विषयों को बोल कर नहीं बल्कि स्वयं के उदाहरण से वैसा करके सिखाता है। शिक्षक जो बनना नहीं गढ़ना सिखाता है। शिक्षक जो केवल शिक्षा नहीं बल्कि विद्या सिखाता है। शिक्षक केवल सफ़ल होना नहीं, असफ़लता से भी रास्ता निकाल लेना सिखाता है। शिक्षक जो तर्क व कुतर्क के अंतर को समझाता है। शिक्षक जो केवल चलना नहीं, गिरकर उठना भी सिखाता है। शिक्षक जो भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होना सिखाता है। शिक्षक जिसे समाज संस्कार, नम्रता, सहानुभूति व सहानुभूति की चलती फिरती पाठशाला मानता है। कहा जाता है कि एक शिक्षक का दिमाग देश में सबसे बेहतर होता है। एक बार सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कुछ छात्रों और दोस्तों ने उनका जन्मदिवस मनाने की इच्छा ज़ाहिर कि, इसके जवाब में डॉक्टर राधाकृष्णन ने कहा कि मेरा जन्मदिन अलग से मनाने की बजाय इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो मुझे बहुत गर्व होगा। इसके बाद से ही पूरे भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन इस महान शिक्षाविद को हम सब याद करते हैं।

एक नज़र डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली:-

डॉ. राधाकृष्णन ने 12 साल की उम्र में ही बाइबिल और स्वामी विवेकानंद के दर्शन का अध्ययन कर लिया था। उन्होंने दर्शन शास्त्र से एम.ए. किया और 1916 में मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में सहायक अध्यापक के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। उन्होंने 40 वर्षों तक शिक्षक के रूप में काम किया। वह 1931 से 1936 तक आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इसके बाद 1936 से 1952 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के पद पर रहे और 1939 से 1948 तक वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर आसीन रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति का गहन अध्ययन किया। साल 1952 में उन्हें भारत का प्रथम उपराष्ट्रपति बनाया गया और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति बनने से पहले 1953 से 1962 तक वह दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इसी बीच 1954 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें 'भारत रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया। डॉ. राधाकृष्णन को ब्रिटिश शासनकाल में 'सर' की उपाधि भी दी गई थी। इसके अलावा 1961 में इन्हें जर्मनी के पुस्तक प्रकाशन द्वारा 'विश्व शांति पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया था। अतः हम कह सकते है कि वे जीवन भर अपने आप को शिक्षक मानते रहे और उन्होंने अपना जन्मदिन भी इसी परिपाटी का पालन करने वाले शिक्षकों के लिए समर्पित कर दिया।

शिक्षा को मिशन का रूप देना होगा:-

डॉ. राधाकृष्णन अक्सर कहा करते थे, शिक्षा का मतलब सिर्फ जानकारी देना ही नहीं है। जानकारी का अपना महत्व है लेकिन बौद्धिक झुकाव और लोकतांत्रिक भावना का भी महत्व है, क्योंकि इन भावनाओं के साथ छात्र उत्तरदायी नागरिक बनते हैं। वे मानते थे कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा, तब तक शिक्षा को मिशन का रूप नहीं मिल पाएगा। आज शिक्षा को मिशन बनाना होगा। शिक्षा की पहुँच इस देश के अंतिम घर के अंतिम व्यक्ति तक होनी चाहिए। इसके लिए केवल शिक्षकों को ही नहीं समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। प्रत्येक वो व्यक्ति जो अपने आपको शिक्षा देने में सक्षम समझता है उसे आगे आना होगा। अपने यहाँ अधिक से अधिक मोहल्ले एवं ग्रामीण शिक्षा केंद्र संचालित करने की चुनौती को उसे स्वीकार करना होगा। ताकि समाज का कोई भी वर्ग या स्थान शिक्षा से वंचित न रहे। उसे प्रतिदिन या सप्ताह में कुछ समय शिक्षा जैसे पुनीत कार्य के लिए लगाना होगा। इस कार्य के लिए उसे अपने जैसे बहुत से लोगों को खड़ा करना होगा व इस अभियान में सहयोगी बनने के लिए उनका भाव जागृत करना होगा।

शिक्षा स्वरोजगार के लिए:-

शिक्षक के नाते अब हमें शिक्षा को क्लास रूम से बाहर ले जाने की पहल करनी होगी यानि उसकी व्यावहारिकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा। विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता में लाना होगा। ताकि विद्यार्थी का कौशल उसके जीवन का हिस्सा बन सके और आगे उसे रोज़गार से जोड़ा जा सके। शिक्षा को फ़ॉर्मल एजुकेशन के साथ ङ्क साथ अनौपचारिक यानी इन-फ़ॉर्मल एजुकेशन बनाने की ओर भी अब हमें अपने प्रयासों को अधिक गति से बढ़ाने की आवश्यकता है। कोविड ने हमें आज इस विषय की ओर देखने की दृष्टि भी दी है ताकि भविष्य में किसी विकट परिस्थिति व आर्थिक संकट के समय स्व-रोज़गार के आधार पर हम आत्मनिर्भरता की भावना के साथ उस परिस्थिति का सामना कर सके।

सच्ची अभिव्यक्ति व प्रेरक शक्ति का दिन:-

तो आईये, आज शिक्षक दिवस के दिन इन सभी बातों का पुनः स्मरण कर, अपने हौंसलों की उड़ान को ओर बढ़ाते है। शिक्षक के दायित्वबोध को और अधिक संकल्प के साथ निभाते है। डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली के जीवन के विभिन्न प्रेरक पहलुओं से सीख ले,प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा को ले जाने के अपने प्रयास को गति देते है। मैं से प्रारंभ कर इस शिक्षा रुपी अलख को लाखों ङ्क लाखों का सपना बनाते हैं। वास्तव में शिक्षक होने के नाते आज शिक्षक दिवस के दिन डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली के प्रति व अपने आदर्श प्रेरणादायी शिक्षकों के प्रति यही हमारी सच्ची अभिव्यक्ति व प्रेरक शक्ति होगी।

-डॉ. पवन सिंह मलिक

महापुरुषों को राजनीतिक नफे-नुकसान का जरिया न बनाएं

जैन समुदाय का पर्यूषण पर्व चल रहा है। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक-दूसरे से क्षमा मांगने का भी है ङ्कमिच्छामि दुक्कड़म। इन दो शब्दों में जीवन का एक बहुत बड़ा पाठ— जाने-अनजाने में हुई किसी भी भूल या अपराध के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांग कर नये सिरे से रिश्तों को संवारना, उन्हें बनाये रखना— छिपा है। आसान नहीं होता क्षमा मांगना। भीतर के अहं का विसर्जन करना होता है पहले। और क्षमा करना भी कम मुश्किल नहीं होता। लेकिन क्षमा मांग कर और क्षमा करके मानवीय रिश्तों को एक नया विस्तार मिलता है। कुछ क्षण के लिए ही सही, हमारे भीतर का मनुष्य जगता तो है। आवश्यकता इस 'मनुष्य' को जगाये रखने की है।

क्षमा पर्व की यह बात हमारी राजनीति के तौर-तरीके के संदर्भ में भी याद रखी जानी चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मालवण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल मूर्ति के ढह जाने से राज्य की राजनीति में आये तूफान ने विपक्ष को जैसे एक जोरदार मुद्दा दे दिया है। पैंतीस फुट ऊंची इस विशालकाय मूर्ति का आठ-नौ महीने पहले ही स्वयं प्रधानमंत्री ने अनावरण किया था। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज एक इतिहास-पुरुष ही नहीं, देवत्व के स्तर का आराध्य माने जाते हैं। उनकी मूर्ति के अनावरण के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के आने के भी राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसलिए, इस बात पर भी आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए कि उस मूर्ति के इस तरह भरभराकर गिर जाने को विपक्ष ने राजनीतिक लाभ उठाने का एक अवसर बना लिया है। महाराष्ट्र की राजनीति को देखते हुए यह घटना कम महत्वपूर्ण नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अच्छी तरह समझता है कि यह उसके लिए बचाव का क्षण है। इसलिए सत्तारूढ़ पक्ष के तीनों घटकों ने इस प्रकरण के लिए क्षमा मांगने में देरी नहीं लगायी।

इस प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू स्वयं प्रधानमंत्री का इसके लिए क्षमा मांगना भी है। एक कार्यक्रम के लिए राज्य में आये प्रधानमंत्री ने 'मेरे और मेरे साथियों के आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज' से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगना ज़रूरी समझा। शिवाजी महाराज के लिए आदर-भाव होना ही चाहिए, और जिस तरह वह मूर्ति ढही है उसके लिए दोषियों को सज़ा भी मिलनी चाहिए। लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण को राजनीति का एक हथियार बनाया जा रहा है, उससे कुछ सवाल तो उठते ही हैं। उठ भी रहे हैं। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री का क्षमा मांगने का लहजा सवालों के घेरे में है। कहा जा रहा है कि क्षमा के साथ विनय का सीधा रिश्ता है। बिना विनयी हुए क्षमा मांगना एक दिखावे के रूप में ही देखा जाता है। जिस तरह विपक्ष ने इस प्रकरण को राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बनाया, उसी तरह महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पक्ष भी राजनीतिक नुकसान कम करने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा क्षमा मांगना इस कोशिश का एक हिस्सा माना जा सकता है।

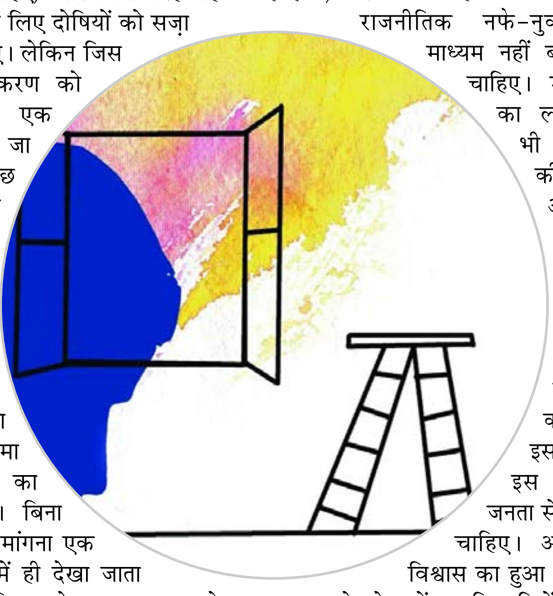

सवाल उठता है, क्षमा मांगी किससे जा रही है? राजनीति करने वाले मूर्ति के इस तरह ढहने के लिए शिवाजी महाराज से क्षमा मांग रहे हैं। इस तरह क्षमा मांगने में कुछ ग़लत नहीं है, लेकिन यह अपमान छत्रपति शिवाजी महाराज का नहीं है, अपमान महाराष्ट्र की जनता का हुआ है, जिसके लिए शिवाजी देवता हैं। जनता एक विश्वास के साथ किसी पक्ष को सत्ता सौंपती है, निश्चित रूप से इस मूर्ति की स्थापना में कहीं कुछ खोट रहा है। इस खोट के अपराधियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। मूर्ति की स्थापना से जुड़ा वह हर पक्ष अपराधी है, जो इस प्रक्रिया से किसी भी रूप से जुड़ा थाङ्क फिर चाहे वह राजनीतिक पक्ष हो, राजनेता हो, अधिकारी हो, या शिल्पी।

बहरहाल, शिवाजी महाराज जैसी विभूति राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम नहीं बनायी जानी चाहिए। उनकी मूर्ति का लगाया जाना भी उनमें राज्य की जनता की आस्था का प्रतीक है, और मूर्ति का ढहना भी जनता के संतप्त होने का कारण। इसलिए, क्षमा इस देश की जनता से मांगी जानी चाहिए। अपमान उस विश्वास का हुआ है जो जनता अपने नेताओं, अधिकारियों, शिल्पियों आदि में रखती है।

जनतंत्र में सत्ता जनता के हाथ में होती है। जनता ही इस तंत्र को चलाने के लिए कुछ लोगों को चुनती है। इन चुने हुए लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता के विश्वास की रक्षा करेंगे। स्पष्ट है, सिंधुदुर्ग में लगायी गयी इस प्रतिमा के संदर्भ में यह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। कोई बड़ी चूक हुई है इस सारे प्रकरण में। क्षमा उस चूक के लिए मांगी जानी चाहिए। प्रकरण से जुड़े हर पक्ष को पूरी विनम्रता के साथ क्षमा मांगनी होगी। सच तो यह है कि बिना विनम्रता के क्षमा मांगने का कोई अर्थ ही नहीं है। विनम्रता का अभाव, दुर्भाग्य से, हमारी राजनीति की एक पहचान बन गया है। हर नेता, जिसके पास किसी भी प्रकार की सत्ता होती है, अपने आप को शासक मान कर बैठा हैङ्क जबकि होना उसे जनता का सेवक चाहिए। कहने को तो सब नेता अपने आप को जनता का सेवक कहते हैं, फिर कोई छोटा सेवक कहता है और कोई बड़ा सेवक। लेकिन आज हमारी समूची राजनीति की यह पहचान बन चुकी है कि नेता स्वयं को कहते तो जनता का सेवक हैं, पर उनका समूचा व्यवहार और सोच स्वामी जैसा होता है। आवश्यकता इस स्थिति को बदलने की है। कथनी और करनी का अंतर हमारी समूची राजनीति को भीतर ही भीतर खोखला बना रहा है। इस अंतर को पाटना ज़रूरी है।

इसलिए ज़रूरी है कि जब हम क्षमा मांगें तो लगना चाहिए कि हमें अपने किये का पश्चाताप है, लगना चाहिए कि हमें अहसास है कि कुछ ग़लत हो गया है, और इस ग़लत को ठीक किए जाने का दायित्व भी हमारा है। यही विनम्रता हमारी राजनीति का चेहरा कुछ निखार सकती है। यह विनम्रता भीतर से उपजनी चाहिए, इसके दिखावे से काम नहीं चलेगा। देश के हर स्तर के नेता का दायित्व है कि वह 'मिच्छामी दुक्कड़म' की भावना से जिये, और यह जीना उसके व्यवहार में झलकना चाहिए। ग़लती करना अपराध नहीं है, ग़लती को ग़लती न मानना अपराध है। न मानने की इस प्रक्रिया से उबरने की आवश्यकता है हमारे नेताओं को। ऐसा करके ही हम अपनी सोच और व्यवहार में वह विनम्रता ला सकते हैं जो क्षमा मांगने के हमारे कृत्य को सार्थक बनाती है। आज तो स्थिति यह है कि हर नेता दूसरे पर उंगली उठा रहा है। वह यह भी नहीं समझता कि ऐसा करने से तीन उंगलियां स्वयं उसकी ओर उठ रही हैं। जब हमें यह अहसास हो जायेगा तो हम सचमुच क्षमा पाने के अधिकारी होंगे। अन्यथा तो क्षमा मांगना एक राजनीतिक कलाबाजी मात्र ही है। आप चाहें तो इस कलाबाजी को घटिया चाल भी कह सकते हैं।

-विश्वनाथ सचदेव

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : तृतीया | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जुबान अनियंत्रित न करें। पूंजी का निवेश अभी न करें। बाकि स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य बहुत अच्छा। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। मन चिंतित रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। प्रेम-संतान का साथ व व्यापार बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम-संतान मध्यम व व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बचकर पार करें। कोई रिस्क न लें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान ठीक ठाक। व्यापार ठीक ठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापार की स्थिति बहुत अच्छी है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परेशानी रहेगी चाहे स्वास्थ्य का मामला हो या साथ का मामला हो। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम ।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है लेकिन गृहकलह भी संभव है। स्वास्थ्य मध्यम।

भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने मंडलों पर सदस्यता अभियान की शुरुआत का आयोजन किया। जिसमे मुख्य रूप से ज़िला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने सूरजपुर मंडल, बिसरख, ज़ेवर में सदस्यता अभियान के तूफ़ानी दोरा कर पार्टी की सदस्यता कराई।

ज़िला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा सूरजपुर गाँव 2024 भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर कहा कि 2 सितंबर से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा ने सदस्यता कराकर शुरूवात की पहले चरण में जो की 25 सितम्बर तक चलेगा। दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। और प्रत्येक बूथ पर भाजपा ने टोल फ्री नम्बर 8800002024 पर मिस्ड कॉल करके प्रत्येक बूथ पर कम से कम 200 नये लोगों को सदस्यता दिलाने का कार्य करेंगे।

जिससे भाजपा गौतमबुधनगर में ऐतिहासिक सदस्यता करके सदस्य बनाएगी। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने सदस्यता अभियान चलाते हुए गाँव बिरौंडी के बूथ पर कहा यह भाजपा संगठन महापर्व सदस्यता अभियान है। हम सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ज़िले के सभी मंडलों में सदस्यता के लक्ष्य को पूरा कर ऐतिहासिक सदस्यता कराएंगे।

इस अवसर पर मुख्यरूप जिला महामंत्री योगेश चौधरी धर्मेन्द्र कोरी दीपक भारद्वाज सेवानन्द शर्मा मनोज गर्ग मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य ज़िला मंत्री सत्यपाल शर्मा राजेश ठेकेदार विशाल कुमार सुनील सौनक विनोद पंडित अशोक शर्मा अरुण शर्मा योगेश अग्रवाल सुभाश शर्मा वेद शर्मा ऋषि शर्मा सतीश शर्मा कल्याण सिंह चेतन शर्मा हरीश आदि दर्जनों मंडल कार्यकर्ता सदस्यता अभियान में उपस्थित रहे।

रामलीला कमेटी की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रामलीला कमेटी की एक बैठक आर्य समाज मंदिर सूरजपुर में आहूत की गई जिसमें आगामी कार्यक्रम (2 अक्टूबर से रामलीला प्रारंभ को लेकर से रामलीला 12 अक्टूबर को दशहरा महोत्सव) विजय महोत्सव 2024 की तैयारी को लेकर चर्चा की बैठक में रामलीला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी नियुक्त की गई और भूमि पूजन पर यज्ञ हवन करके किया जाएगा बैठक की अध्यक्षता रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सत्यवीर सिंह भाटी ने की बैठक का संचालन रामलीला कमेटी के महा मंत्री सत्यपाल शर्मा ने की रामलीला कमेटी अध्यक्ष सत्यवीर सिंह भाटी ने कहा गतवर्षों के भाँति ऐतिहासिक रामलीला होगी।

जिसमे भगवान राम के आदर्श आर्य मर्यादाओं को रामलीला के कलाकार मंचन के द्वारा प्रस्तुति करेंगे बैठक में मुख्यरूप से सत्यवीर भाटी सत्यपाल शर्मा लक्ष्मण सिंघल टेकचंद प्रधान ओमवीर बैसला कर्मवीर आर्य सुनील शर्मा एडवोकेट विनोद पंडित राजेश ठेकेदार सुभाष शर्मा किट्टी बिजेंद्र मुद्ग़ल योगेश अग्रवाल देवा पंडित अनिल भाटी भगत सिंह आर्य रघुवीर जेसीबी विशाल गोयल विशाल कुमार नितिन शर्मा एडवोकेट आदि दर्ज़नों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपाइयों ने बाबू जगदेव प्रसाद की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर गुरुवार को बिहार लेनिन के नाम से प्रसिद्ध बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर उनके संघर्षशील जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा किबाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा बिहार प्रान्त में जन्मे के एक क्रन्तिकारी राजनेता थे। जिन्हें बिहार लेनिन के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानता के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों, शोषितों, वंचितों के अधिकार के लिए उन्होंने लम्बी लड़ाई लड़ी और उनकी आवाज उठाते हुए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया। आज जब भी किसी वंचित वर्ग के लिए आवाज उठाने वालों की चर्चा होती है, जगदेव प्रसाद कुशवाहा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस मौके पर प्रमुख रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, इसरार सोलंकी, रामसरन नागर, यूनुस प्रधान, मेहंदी हसन, दीपक नागर, अकबर खां, कुंवर नादिर, कपिल ननका, रोहित मत्ते गुर्जर, रविन्द्र यादव, नवीन भाटी, गजेंद्र यादव, एसआर कुशवाहा, उपेंद्र यादव, सतेंद्र नागर आदि मौजूद रहे।

भाकियू (अंबावता) संगठन ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर कलेक्ट्रेट जिला मुख्यालय पर भाकियू (अंबावता) के जिला अध्यक्ष अनिल नागर के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) संगठन के पदाधिकारी ने ज्ञापन सौंप कर अपनी मांगे रखी। जिसमें दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपवास ने बताया कि कुछ फर्जी संगठन संस्था एवं समिति के नाम पर मेरठ दिल्ली से रजिस्ट्रेशन कर लेते हैं जिसमें वह भारतीय किसान यूनियन लिखते हैं ऐसे संगठनों की जांच होनी चाहिए जिसका रजिस्ट्रेशन भारतीय किसान यूनियन के नाम से है। वह ठीक है अन्यथा जो भी संगठन किस तरीका से लिख रहे हैं। उनकी जांच कर रजिस्ट्रेशन खत्म होने चाहिए और बुढ़ापा पेंशन पूरे भारत में एक समान होनी चाहिए कम से कम 5000 हर महीने मिलनी चाहिए पूरे भारत में किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए। पूरे भारत में किसानों का बिल माफ होना चाहिए किसानों की एमएसपी गारंटी लागू होनी चाहिए।

किसानों को 64 परसेंट मुआवजा जल्द से जल्द मिलना चाहिए। किसानों की आबादी जैसे की तैसी रहनी चाहिए किसानों की आदि समस्याओं को लेकर अवगत कराया इस बीच दादरी नगर पालिका के अंतर्गत आने वाली कॉलोनी का पानी जो गांव रूपवास में जा रहा है। उसको लेकर भी एडीएम मंगलेश दुबे को अवगत कराया इन सभी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए जल्द ही एडीएम साहब ने समस्या का हल करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर राजेंद्र नागर, सुरेश प्रधान, मनोज भाटी, अशोक भाटी, गीता नागर, बबलू आशु गुर्जर, राजकुमार रूपबास, अनिल नागर, पूनम गुर्जर, सरोज भाटी, संजीव भाटी, अनिकेत देवघर, देवेंद्र नागर, शौकत अली चेची ललित भाटी, जयवीर नागर, कपिल खारी, रॉकिंदर नागर, जयंती प्रसाद, अमित मुखिया, सुमित गुर्जर, नरेश एडवोकेट मालती देवी आदि मौजूद थे।

ग्रेटर नोएडा के पंप हाउस नए लुक में दिखेंगे, जलापूर्ति और बेहतर होगी

ग्रेनो प्राधिकरण ने सेक्टर 37 में बनाया पहला मॉडल पंप हाउस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में जलापूर्ति के लिए बने पंप हाउस जल्द ही रंग-रोगन के साथ नए लुक-नए अंदाज में दिखेंगे। इसकी शुरुआत हो चुकी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने सेक्टर-37 स्थित पंप हाउस को नया रंग-रूप देकर आकर्षक बना दिया है। यह ग्रेटर नोएडा का पहला मॉडल पंप हाउस है। इसी तरह से बाकी के पंप हाउस को भी विकसित किया जाएगा। ये पंप हाउस सिर्फ रंग-रोगन से ही नहीं, बल्कि तकनीक वाइज भी इनको अपडेट किया जा रहा है। पंप हाउसों को ऑटोमेशन सिस्टम से लैस करने पर जलापूर्ति में भी मदद मिलेगी और मेनटेनेंस का खर्च भी कम होगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने एसीईओ प्रेरणा सिंह से ग्रेटर नोएडा के सभी पंप हाउसों (करीब 208) को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए है। प्रेरणा सिंह ने सबसे पहले अलग-अलग सेक्टरों में बने पंप हाउसों को मौके पर जाकर देखा। उन्होंने जल विभाग की टीम से इन सभी पंप हाउस परिसरों को चमकाने के साथ ही तकनीक वाइज भी अपडेट कर मॉडल पंप हाउस बनाने को कहा। जल विभाग के महाप्रबंधक जितेंद्र गौतम, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार और लव शंकर भारती की टीम ने सेक्टर 37 के पंप हाउस को मात्र दो दिन में मॉडल पंप हाउस के रूप में तैयार कर दिया। इस पंप हाउस को ऑटोमेशन सिस्टम पर कर दिया गया है। अब इसे चलाने या बंद करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। टंकी में पानी भर जाने पर खुद बंद हो जाएगा। किसी तरह की तकनीकी फॉल्ट होने पर अलार्म भी बजेगा। इससे जलापूर्ति को और बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही इन पंप हाउसों के रखरखाव का खर्च भी पहले से कम होगा।

सेक्टर 37 के मॉडल पंप हाउस पर लगभग दो लाख रुपये खर्च हुए हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने सेक्टर 37 पंप हाउस की तरह अन्य पंप हाउसों को शीघ्र विकसित किए जाने की बात कही है।

शिक्षक दिवस पर बालक इंटर कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 स्थित गौतमबुद्ध बालक इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने शिक्षकों के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्रों ने प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने छात्रों से शिक्षा के जरिए अपने भविष्य को बेहतर बनाने की सीख दी। इस दौरान सभी शिक्षक भी मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-35 स्थित मोरना में नवनियुक्त महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा उपाध्यक्ष ललित आवाना को फूल माला, पगड़ी तथा शाल भेंट कर पहनाकर स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश सचिव जनपद हापुड़ प्रभारी पुरुषोत्तम नागर के नेतृत्व में स्वागत अभिनंदन किया।

इस मौके पर मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश सचिव जनपद हापुड़ प्रभारी पुरुषोत्तम नागर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता फिरे सिंह नागर,पूर्व अध्यक्ष नोएडा कांग्रेस शहाबुद्दीन, प्रेम शाह, जगपाल सिंह चौहान, श्याम सिंह राना,ओमवीर उपाध्यक्ष, प्रमोद, विवेक,सनी धर्मवीर व अन्य लोग मौजूद रहे।

खुर्जा में 15 सितंबर को होगा ब्रह्म एकता दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। प्रदेश अध्यक्ष पं. पीतांबर शर्मा के आवास पर गांव में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की एक आवश्यक बैठक आहूत की गई जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र के वयोवृद्ध बुजुर्ग पंडित बनारसी दास शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई संचालन प्रदेश महामंत्री मास्टर परमानंद शर्मा द्वारा किया गया।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सभी उपस्थित लोगों को 15 सितंबर को होने वाले ब्रह्म एकता दिवस की रूपरेखा से अवगत कराया और भारी संख्या में 15 सितंबर को खुर्जा पहुंचने की बात कही 50 गाड़ियों का टारगेट रखा गया जो लोगों ने अपनी अपनी गाड़ी ले जाने की सहमति देते हुए टारगेट पूरा किया यही नहीं प्रचार प्रसार के लिए तय हुआ कि गाजियाबाद से खुर्जा तक करीब 200 होल्डिंग लगाए जाएंगे जो सिर्फ गौतमबुद्धनगर के लोगों द्वारा लगवाए जाएं सबने अपने-अपने होर्डिंग लगाने की सहमति दी।

इस बैठक में मंडल अध्यक्ष राजकुमार शर्मा उर्फ राजू पंडित जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा कार्यकारी जिला अध्यक्ष उमेश शर्मा मंडल सचिव सतेंद्र शर्मा पुरुषोत्तम शर्मा सुरेंद्र शर्मा पाली से पंडित विक्रम शर्मा गुलिस्तान से सेवाराम शर्मा जिला महामंत्री मास्टर रामकुमार शर्मा घटने से ज्ञान शर्मा सुभाष शर्मा चंद्रभान शर्मा पटवारी रणवीर शर्मा जारचा से दिनेश शर्मा गुलावठी से नितिन शर्मा खोदना से निशांत शर्मा दनकौर स्टेशन से कुलदीप शर्मा अनिल शर्मा जिला कोषाध्यक्ष एडवोकेट ज्ञानचंद शर्मा सादुलपुर से हरिश्चंद्र शर्मा जया किशोर शर्मा हावड़ा से प्रधान भीष्म शर्मा आदि के अलावा सैकड़ो लोग मीटिंग में मौजूद थे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सदानन शुक्ला पुत्र ओमकारनाथ शुक्ला, निवासी- ग्राम सदरपुर, खजूर कॉलोनी, जिला गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) मेरे मुवक्किल का खजूर कॉलोनी में निर्मित मकान है जो मेरे मुवक्किल के सगे भाई गजानन शुक्ला के नाम सबरजिस्टार द्वितीय गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के यहां बही संख्या-01 जिल्द संख्या - 825 के पृष्ठ संख्या-107 में नं0 1967 ए.डी. बुक संख्या 01 जिल्द संख्या 850 के पृष्ठ संख्या 967, 974 पर दिनांक 19.08.1994 को रजिस्ट्रीकृत हैं। उक्त मकान में पारिवारिक बंटवारे के आधार पर आधे-आधे हिस्से के दोनों भाई मालिक काबिज थे। और अभी भी सपरिवार खजूर कॉलोनी में निवास कर रहा है। मेरे मुवक्किल के भाई गजानन शुक्ला की 08/09/2023 (सितंबर) को निधन हो जाने के कारण उनके वारिस गजानन शुक्ला की पत्नी धर्मवती देवी, पुत्र बद्री नारायण, पुत्रवधू रिंकी, पुत्र रिंकू अगर उक्त भवन को विक्रय करते हैं तो वह शून्य माना जाये।

(एडवोकेट अनिल राजपूत)

पृष्ठ एक के शेष....

RJD से अब दोस्ती....

शुरू में काम हुआ, लेकिन बाद में व्यवस्था काफी खराब हो गई। 2005 में हमलोग आए तो देखा कि यहां काम नहीं हो रहा है। इसके बाद बड़ी संख्या में डॉक्टरों की नियुक्ति की गई। किडनी, हार्ट, कैंसर के इलाज की बेहतर व्यवस्था करवाई गई। बिहार के बाहर लोगों को इलाज के लिए नहीं जाना पड़े, इसके लिए लगातार राज्य सरकार काम कर रही है। अब आंखों के क्षेत्रीय संस्थान का उद्घाटन किया गया है। आईजीआईएमएस में जांच और दवा के लिए पैसे लगते थे। अब हमलोगो ने इसे मुफ्त करवा दिया। अस्पताल में बेड की संख्या भी बढ़ाया गया है।

आदमखोर भेड़ियों ने...

गांव में धावा बोल दिया। घर में अपने चार वर्षीय पोते सत्यम के साथ 60 वर्षीय कृपाराम बैठे थे ?, उसी बीच भेड़िए ने अचानक हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर लोग इकट्ठा हो गए, जिसके बाद भेड़िया भाग निकला। लोधनपुर निवासी कृपाराम ने बताया कि वह अपने पोते सत्यम के साथ घर में बैठे थे, तभी अचानक भेड़िए आ गया और उनपर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर लोग इकट्ठा हो गए और भेड़िए भाग निकला।

अस्पताल के कैश...

पेटीएम आदि से रकम अपने पक्ष में प्राप्त कर रहे थे। मरीज के क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, पेटीएम द्वारा पेमेंट वे पिछले 1 साल से अपने पक्ष में ले रहे थे तथा अस्पताल के बैंक खाते में रकम जमा नहीं कर रहे थे।

मरीजों के रजिस्ट्रेशन से मिलान करने के बाद पता चला की दोनों कर्मचारियों ने अस्पताल के मदद में प्राप्त 63 लाख 83 हजार 326 रुपए की हेराफेरी की है। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने गबन का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी...

इससे पहले उन्होंने केशव प्रसाद मौर्य, अनुप्रिया पटेल और ओमप्रकाश राजभर के आवास पर भी प्रदर्शन किया था। वहीं अब खबर आई है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आंदोलनरत शिक्षक अभ्यर्थियों से मिलेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल देर शाम गोरखपुर में आरक्षित वर्ग के आंदोलनरत शिक्षक अभ्यर्थियों से मिलेंगे। मुख्यमंत्री से मिलने के लिए 5 नाम भेजे गए हैं। जिनका प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलेगा।

बड़े बेआबरू होकर...

विकास विभाग ने प्राधिकरण के इस अनुरोध को खारिज कर दिया। अंतत: बीते कल यानी गुरूवार को नोएडा प्राधिकरण ने राजेश कुमार को तत्काल प्रभाव से रिलीव कर दिया। अब वे लखनऊ स्थित यूपीपीसीएल के मूल विभाग में पूर्व की तरह अपना योगदान देंगे।

उत्तराखंड पब्लिक...

लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद जब बच्चों का कोई पता नहीं चला तो उन्होंने स्कूल प्रशासन से संपर्क किया। स्कूल प्रशासन ने भी तुरंत पुलिस को सूचित किया। थाना सेक्टर 58 में बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और बच्चों की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। स्थानीय लोगों से भी बच्चों के बारे में जानकारी देने की अपील की जा रही है।

ट्रांसपोर्टर्स यूनियन की...

जिसकी आड़ में वे वाहनों को नोएडा में प्रवेश करने पर रोक रहे हैं तथा धमकी देकर अवैध वसूली के लिए मजबूर कर रहे हैं। जिससे सभी का कामकाज ठप्प पड़ गया है। उन्होंने डीएम से कहा कि वे तुरंत मामले में हस्तक्षेप कर रास्ता निकालें वर्ना सभी ट्रांसपोर्टर्स एआरटीओ कार्यालय पर अपने ट्रकों को खड़ा कर चाबियां सौंप देंगे।

उधर ट्रांसपोर्टर्स ने एआरटीओ डा. सियाराम वर्मा को भी इस आशय का ज्ञापन सौंपा है। एआरटीओ ने डीएम के निर्देश पर आज सभी एआरटीओ प्रवर्तन तथा अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर रास्ता निकालने का प्रयास किया। खबर लिखे जाने तक बैठक चल रही थी।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री अगस्त में पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली। ग्राहक खरीद में देरी, खराब उपभोक्ता धारणा तथा लगातार भारी बारिश की वजह से भारत में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में सालाना आधार पर पांच फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगस्त में कुल 3,09,053 यात्री वाहन (पीवी) का पंजीकरण हुआ, जबकि अगस्त 2023 में यह संख्या 3,23,720 थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बयान में कहा कि यौहारी मौसम के बावजूद बाजार पर काफी दबाव बना हुआ है। वाहन अब 70-75 दिन तक गोदाम में रखे रहते है और इन्वेंट्री कुल 7.8 लाख वाहनों की है, जिसका मूल्य 77,800 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पी.वी. मूल उपकरण निमार्ता (ओ.ई.एम.) मासिक आधार पर डीलर को भेजे जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि कर रहे हैं।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बेचकर 5,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने धन जुटाने के लिए 29 अगस्त को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) जारी किया था। प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की वित्त पोषण जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत निवेशकों को 1,674 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2,98,68,578 शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य समिति द्वारा निर्धारित 1,755.09 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य से 4.62 प्रतिशत कम था।

ग्लेनमार्क 2.5 करोड़ डॉलर का करेगी भुगतान

नई दिल्ली। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने एक जेनेरिक दवा के मूल्य निर्धारण से संबंधित मामले में अमेरिकी न्याय विभाग के साथ समझौते के तहत 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है। कंपनी ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, मुंबई स्थित दवा निमार्ता की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स इंक, यूएसए ने 28 मई 2024 से 4.25 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से निपटान राशि पर ब्याज के साथ पांच वर्षों में छह किस्तों में राशि का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। अमेरिकी न्याय विभाग के सिविल डिवीजन ने ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स इंक, यूएसए के साथ एक समझौते में झूठे दावों से जुड़े।

रुपया चार पैसे मजबूत होकर 83.97 डॉलर पर

मुंबई। विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के समर्थन से रुपया गुरुवार को शुरूआती कारोबार में चार पैसे मजबूत होकर 83.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी पूंजी प्रवाह ने निवेशकों की भावनाओं को बल दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.98 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद 83.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद से चार पैसे की बढ़त दशार्ता है।

झारखंड में एक्सिस बैंक ने खोली 4 नई शाखाएं

बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पहुंचाने में सबसे आगे

झारखंड। निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बैंकों में से एक एक्सिस बैंक देश में अपनी बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करने में जुटी है। इसी विस्तार योजना के तहत झारखंड राज्य में एक्सिस बैंक ने अपनी चार नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। बैंक का लक्ष्य है कि बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला अपने ग्राहकों तक पहुंचाने में सबसे आगे रहे। जिन नई शाखाओं का उद्घाटन किया गया वह गिरिडीह जिले के बगोदर और इसरी बाजार, बोकारो जिले के पेट्राबार, हजारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ में स्थित है। गिरिडीह जिले के बगोदर में 93वीं नई शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि और विधायक बिनोद सिंह के हस्ते किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग एक्सिस बैंक के क्लस्टर हेड- मनोज तिवारी, एक्सिस बैंक लायबिलिटी सेल्स क्लस्टर हेड बिनोद कुमार, और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। ये नई शाखाएं पर्सनल बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग, ऋण उत्पाद (व्यक्तिगत, सोना, गृह, वाहन, कार्यशील पूंजी, अवधि, आदि), बीमा सुविधाओं जैसे परिसंपत्ति उत्पादों और बैंकिंग सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करेंगी। इस सुविधा से बड़े और मध्यम-कॉर्पोरेट, एमएसएमई, कृषि और खुदरा व्यवसायों को कवर करने वाले अपने ग्राहक वर्गों की विविध बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। ये शाखाएं ग्रामीण, बिना बैंक वाली आबादी को भी सेवाएं प्रदान करेंगी। इस अवसर पर एक्सिस बैंक शाखा बैंकिंग की अध्यक्ष और प्रमुख सुश्री अर्निका दीक्षित ने कहा कि झारखंड में इन नई शाखाओं के जरिये एक्सिस बैंक अपने विविध ग्राहक वर्गों के साथ संबंधों को और मजबूत रखेगा और उनतक स्मार्ट व अनुकूलित वित्तीय समाधानों को आसानी से पहुंचाएंगा. हमारी विशिष्ट डिजिटल सुविधाएं हमारी क्षमता को दशार्ते हैं और ये सुनिश्चित करते हैं हम अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ सेवा प्रदान करने में आगे हैं. हम इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं देखते हैं और देश के सबसे बड़े बैंकों में से एक के रूप में, हम अपने ग्राहकों की विकास यात्रा में भागीदार बनना चाहते हैं। इन शाखाओं के जरिये एक्सिस बैंक अपनी सेवाओं को विस्तार तो देगा ही साथ ही आर्थिक वृद्धि में योगदान भी प्रदान करेगा है। उन्होंने कहा कि बैंक अपने ग्राहकों को आधुनिक तकनीक से लैस करेगा और उन्हें अपने दैनिक लेन-देन में आसानी से डिजिटल भुगतान समाधान अपनाने के लिए सशक्त बनाएगा। एक्सिस बैंक कैशलेस लेनदेन पारिस्थितिकी तंत्र को सुविधाजनक बनाने के लिए देशभर में आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान कर रहा है। इन नई शाखाओं के साथ, एक्सिस बैंक की अब झारखंड राज्य में कुल 93 शाखाएं और 182 एटीएम हैं।

वेस्टर्न डिजिटल ने सीसीटीवी-ऑप्टिमाईज्ड स्टोरेज समाधान किए पेश

रांची। सीसीटीवी कैमरों का उपयोग भारत में बढ़ रहा है। आज ट्रैफिक सिग्नल से लेकर शॉपिंग सेंटर, स्कूल और आवासों तक हर जगह इनका उपयोग हो रहा है, इसलिए इनके लिए एक पर्याप्त स्टोरेज समाधान होना भी आवश्यक है। स्टोरेज की सभी ड्राईव्स एक समान नहीं बनाई जाती हैं, और निगरानी विशेष के लिए डिजाईन की गई ड्राईव से सीसीटीवी सिस्टम की परफॉर्मेंस एवं विश्वसनीयता में काफी सुधार आ सकता है।डब्लूडी पर्पल प्रो ड्राईव 22टीबी तक की क्षमता में उपलब्ध हैं। इन्हें 24/7 वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए बनाया गया है और ये हर साल 550टीबी तक की सपोर्ट प्रदान करती हैं। ये ड्राईव बहुत टिकाऊ और भरोसेमंद हैं, जो खराब से खराब परिस्थितियों में भी बड़े वॉल्यूम के वीडियो डेटा को लगातार रिकॉर्ड करने और स्टोर करने के लिए बहुत आवश्यक है। इनके कम पॉवर प्रोफाईल के कारण पॉवर कंजंप्शन और हीट जनरेशन कम होता है, जिससे इनका संचालन सुगमता से होता है, और डेटा के नुकसान या सिस्टम फेल होने का जोखिम भी सबसे कम होता है। ऑलफ्रेम एआई टेक्नोलॉजी के साथ ये ड्राईव एटीए स्ट्रीमिंग बढ़ा देती हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने की टी केयर की शुरुआत

रांची। असाधारण अनुभव प्रदान करके ग्राहकों की अपेक्षाओं से आगे निकलने के अपने निरंतर प्रयास में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने टी केयर की शुरूआत की घोषणा की। यह एक अभिनव पहल है जिसका उद्देश्य अपने सम्मानित ग्राहकों को एक समग्र स्वामित्व अनुभव मुहैया कराना है। टी केयर एक ही ब्रांड के तहत कई तरह के मूल्य-वर्धित प्रस्ताव के समर्थन को एकीकृत करता है। इस तरह यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक के साथ हर जुड़ाव टोयोटा के विश्वसनीयता, गुणवत्ता और असाधारण देखभाल के मूल मूल्यों को दशार्ता है।ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित, टी केयर सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है जो ग्राहक की खुशी को समृद्ध करने और दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के समर्पण को दशार्ता है। प्रीसेल से लेकर आफ्टरसेल और रीपर्चेज तक सब कुछ कवर करते हुए, टी केयर इन पेशकशों को एक एकीकृत ब्रांड के तहत एकीकृत करता है जिसमें कुछ नाम शामिल हैं,टी केयर ग्राहकों के अनुभव को व्यवस्थित करने, टोयोटा के साथ उनकी पूरी स्वामित्व यात्रा के दौरान शीर्ष स्तरीय सहायता और सर्वोत्तम समर्थन तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस नई पहल पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिक्री, सेवा और प्रयुक्त कार व्यवसाय के वाइस प्रेसिडेंट, सबरी मनोहर ने कहा, टोयोटा में, हम जो कुछ भी करते हैं, उसके केंद्र में हमारे ग्राहक होते हैं। हमारा ध्यान हमेशा हर टचपॉइंट पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर रहता है - बिक्री से पहले, बिक्री के दौरान और बिक्री के बाद। हम न केवल बेहतरीन उत्पाद और सेवाएं देने का प्रयास करते हैं, बल्कि टोयोटा के साथ अपने संपूर्ण स्वामित्व अनुभव के दौरान अपने ग्राहकों के साथ एक गहरा, स्थायी संबंध बनाने का भी प्रयास करते हैं। नई शुरू की गई टी केयर पहल में एक ही ब्रांड के तहत टी डिलीवर, टी ग्लॉस, टी एसिस्ट, टी साथ, टी सिक्योर, टी च्वाइस और अन्य जैसी पेशकशों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जो हमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अपने मूल्यवान ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाली सहज और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने की अनुमति देती है।

एसएमएफजी ने इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर माई स्टैम्प की जारी

जमशेदपुर। भारत के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कं. लि. ने वाशी, नवी मुंबई में अपनी 1000वीं शाखा खोलने की घोषणा की है। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर एक विशेष कवर और माई स्टैम्प जारी किया है। आधिकारिक अनावरण के अवसर पर मुंबई में जापान के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत यागी कोजी, महाराष्ट्र सर्किल में डाक सेवाओं (मुख्यालय) के निदेशक अभिजीत बंसोडे और एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के सीईओ और एमडी शांतनु मित्रा उपस्थित थे। 2007 में अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी लगातार विकास करते हुए एक अखिल भारतीय संस्थान के रूप में विकसित हुई है।

शिक्षक दिवस पर जी टीवी की अभिनेत्रीयों ने जिंदगी के मार्गदर्शकों के प्रति जताया आभार

रांची। हर साल 5 सितंबर को सभी विद्यार्थी अपने शिक्षकों, प्रशिक्षकों, मार्गदर्शकों और ट्यूटर्स को अपनी शुभकामनाएं भेजते हैं। भारत में प्रसिद्ध विद्वान और शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर उनके सम्मान में टीचर्स डे यानी शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन बेहद खास है क्योंकि इस दिन अलग-अलग लोगों से मिले अनमोल ज्ञान और सीख का जश्न मनाया जाता है। यह उन सभी शिक्षकों और मार्गदर्शकों की कड़ी मेहनत की सराहना करने का मौका है जो वे अपने छात्रों और चाहने वालों की मदद के लिए करते हैं। इस खास मौके पर कुंडली भाग्य के बसीर अली, कुमकुम भाग्य की राची शर्मा, भाग्य लक्ष्मी के रोहित सुचंती, रब से है दुआ की सीरत कपूर, कैसे मुझे तुम मिल गए की प्रतीक्षा होन्मुखे, सारेगामापा के सचिन और जिगर जैसे जी टीवी के कलाकारों ने शिक्षक दिवस की अपनी यादें साझा कीं और बताया कि उनकी जिंदगी में ऐसे कई मार्गदर्शक रहे हैं, जिन्होंने जिंदगी के अलग-अलग मोड़ पर उन्हें राह दिखाई है।जी टीवी के कुमकुम भाग्य में पूर्वी का रोल निभा रहीं राची शर्मा ने कहा, शिक्षक हमारी जिंदगी में अविश्वसनीय रूप से खास होते हैं।

मिजोरम में पेट्रोल-डीजल 4 रुपए महंगा

नई दिल्ली। देशभर में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही हैं लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। दल्लिी में लंबे समय से पेट्रोल-डीजल के भाव भले ही एक ही लेवल पर बरकरार हों लेकनि अब मिजोरम सरकार ने दोनों की कीमत में 4 रुपए प्रत्ति लीटर का इजाफा कर दयिा है। नई कीमत को महीने की शुरूआत से लागू कर दयिा गया है। राज्य के एक मंत्री ने इस बारे में जानकारी दी। मिजोरम के कराधान मंत्री डॉ. वनललथलाना ने कहा कि ईंधन कीमत में यह बढ़ोतरी सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर और रोड मेंटीनेंस के लिए पैसा जुटाने के इरादे से की गई है।

उन्नत अर्थव्यवस्था बनने हमारे देश की यात्रा को कई कारकों के अनूठे मिश्रण से मिल रहा है बल

विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों व बाजारों में हो रहे हैं बदलाव : दास

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को एफआईबीएसी 2024 के उद्घाटन भाषण में कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में व्यापक पर बदलाव हो रहे हैं और देश इन बदलाव के लिए तैयार है। दास ने कहा कि उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में हमारे देश की यात्रा को कई कारकों के अनूठे मिश्रण से बल मिल रहा है। इन कारकों में युवा व ऊर्जस्वी आबादी, जुझारू व विविध अर्थव्यवस्था, मजबूत लोकतंत्र और उद्यमशीलता व नवाचार की समृद्ध परंपरा शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की वृद्धि गाथा अक्षुण्ण है और बैंकों का बहीखाता मजबूत है। दास ने निजी क्षेत्र से व्यापक स्तर पर निवेश बढ़ाने का आग्रह किया। गवर्नर ने कहा कि आंकडों से पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी वृद्धि कारक वास्तव में गति पकड़ रहे हैं और वे धीमे नहीं पड़ रहे हैं। इससे हमें यह कहने का साहस मिलता है कि भारतीय वृद्धि की गाथा बरकरार है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) जैसे सुधारों से दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने भूमि, श्रम तथा कृषि बाजारों में और अधिक सुधारों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। गवर्नर ने कुल मुद्रास्फीति के मायने स्वीकार करते हुए कहा कि मुद्रास्फीति तथा वृद्धि के बीच सही संतुलन कायम है। बेहतर मानसून तथा खरीफ की अच्छी बुवाई से खाद्य मुद्रास्फीति का परिदृश्य अधिक अनुकूल हो सकता है। वित्तीय क्षेत्र को समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल मंच तक पहुंच बढ़ानी चाहिए और उनका उपयोग करना चाहिए। उन्होंने जोखिम निर्धारण मानकों को कमजोर किए बिना महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों और सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यम (एमएसएमई) के अनुरूप उत्पाद तथा सेवाएं पेश करने की भी वकालत की। दास ने कहा कि विवेकपूर्ण ऋण सुनिश्चित करने के लिए यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) मंच पर केवल विनियमित संस्थाओं को ही अनुमति दी जाएगी।

छात्रों के भविष्य को गढ़ने वाले गुरु होते हैं श्रेष्ठ : अमरेश कुमार

एजेंसी

भागलपुर। सैनिक स्कूल गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में गुरुवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लायंस क्लब भागलपुर प्राइम द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विनोद राय, सुधांशु शेखर, अभिषेक डोकानिया, दिलीप अग्रवाल, चंद्रभूषण सिंह, लक्ष्मी नारायण डोकानिया, प्रधानाचार्य अमरेश कुमार, उप प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्र, डॉ मधुसूदन झा, ममता जायसवाल और अश्विनी खठोर के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं भारत के द्वितीय राष्ट्रपति के चित्र पर पुष्पांजलि कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विनोद अग्रवाल ने कहा कि गुरु का अर्थ होता है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाये। सेवा, सहयोग, समर्पण और संस्कार यह जीवन में आवश्यक होता है। यह सारे सद्गुण गुरु से ही प्राप्त होते हैं। अतः त्याग, सेवा, सहयोग, समर्पण एवं संस्कार देने वाले गुरु आदरणीय होते हैं। लायंस क्लब के पंकज टंडन ने कहा कि गुरु ब्रह्मा, विष्णु और महेश इन तीनों रूपों में हमारे जीवन में सफलता के लिए प्रेरित करते हैं। गुरु ज्ञान के साथ संस्कार भी देते हैं। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन भले राष्ट्रपति थे। लेकिन गुरु के रूप में हमेशा सम्मान प्राप्त करते रहे। प्रधानाचार्य अमरेश कुमार ने कहा कि गुरु हमारे लिए सदा बंदनीय एवं पूजनीय होते हैं। वह हमारे पथ प्रदर्शक होते हैं। अपने जीवन को छात्रों के विकास के लिए समर्पित करने वाले गुरु हमेशा आदरणीय रहेंगे। मंच संचालन लायंस क्लब के सुमित एवं अजय कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर एवं विद्या मंदिर के आचार्य आचार्य को लायंस क्लब के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में शिशु मंदिर एवं विद्या मंदिर के सभी छात्र एवं आचार्य बंधु भगिनी, शशि भूषण मिश्र एवं मीडिया प्रभारी दीपक कुमार झा उपस्थित थे।

भूमि सर्वेक्षण को लेकर गांव से शहर तक संशय की स्थिति

एजेंसी

पटना। बिहार में भूमि सर्वेक्षण का काम चल रहा है। जमीन विवाद को निपटाने के अलावा राज्य सरकार की जमीन की स्थिति का पता लगाने के लिए जमीन का सर्वेक्षण कराया जा रहा है। गांव से लेकर शहर तक भूमि सर्वेक्षण को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। शहरों में रहनेवाले लोग गांव जाने की तैयारी में हैं तो गांव के लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ये सब होगा कैसे। हर रैयत को इस जमीन सर्वेक्षण में भाग लेना है। हर रैयत को अपनी जमीन का सर्वेक्षण कराना है, लेकिन इसको लेकर तनाव की कोई बात नहीं है। इस काम के लिए आपको कहीं जाना नहीं है। आप अपना आधा काम घर बैठे कर सकते हैं। इन दस्तावेजों की होगी जरुरत जमीन सर्वेक्षण के फार्म को भरने से पहले अपनी जमीन का रिकॉर्ड जैसे खतियान, केबाला, बंदोबस्ती रसीद एक फाइल में रखना होगा। इन फॉर्म्स में जमीन से सम्बंधित सभी जानकारी, रैयत का नाम, उनका अंश, पिता का नाम, खाता, खेसरा, रकबा, जमीन का प्रकार, और जमीन प्राप्त होने का माध्यम इत्यादि के बारे में त्रुटिरहित भरना होगा। सर्वेक्षण के लिए आवेदन करने वालों को कुछ कागजात अपने पास रखना जरूरी होगा, जिसमें पासपोर्ट साइज फोटो, जमीन की रसीद, स्वघोषणा पत्र, आधार कार्ड, जमीन का रकबा, खेसरा की सम्पूर्ण जानकारी, खतियान की कॉपी, मालगुजारी रसीद की प्रति, न्यायालय के आदेश की फोटोकॉपी (यदि लागू हो), अधिकार पत्र (यदि लागू हो)। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आवेदक को फॉर्म के लिए कहीं जाने की जरुरत नहीं है। यह फार्म आपको भू राजस्व विभाग के आधिकारिक साइट से डाउनलोड करना होगा, जिसका तरीका बेहद आसान है। बिहार लैंड सर्वेक्षण योजना की अधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करना होगा। साइट पर दी गई सभी प्रक्रिया का पालन करना होगा। होमपेज पर दिए गए भूमि रिकॉर्ड पोर्टल के विकल्प का चयन करना होगा। वहां मौजूद भू सर्वेक्षण के आवेदन फॉर्म के लिंक पर क्लिक करना होगा. स्क्रीन पर लॉगिन पेज खुल जाएगा। ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनों माध्यमों से जमा होंगे ।

मुख्यमंत्री ने विकासात्मक योजनाओं का किया उदघाटन

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को आरा (भोजपुर जिला) के जीरो माइल में निमार्णाधीन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह ने मास्टर प्लान के जरिए निर्माण कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल का भवन भूकंपरोधी बनाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राजकीय अस्पताल का निर्माण कार्य 15 अगस्त 2025 से पहले पूर्ण करें। अधिकारी निर्माण कार्य की सतत निगरानी करते रहें ताकि निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण हो सके। इस अस्पताल का निर्माण पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को चिकित्सकीय सेवा में और सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री ने भोजपुर जिला में कुल 41 करोड़ 63 लाख 86 हजार रुपए की योजनाओं का उद्घाटन किया तथा 62 करोड़ 66 लाख 57 हजार 650 रुपए की योजनाओं को शिलान्यास किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बड़हरा प्रखंड के बखोरापुर में राजकीय बुनियादी 10+2 विद्यालय का उद्घाटन किया और निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने 50 दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राई साईकिल प्रदान किया साथ ही मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के तहत 10 आवेदकों को चाभी प्रदान किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बखोरापुर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बखोरापुर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अच्छा बना है। यहां सारी व्यवस्थाओं को इसी तरह बनाए रखें ताकि मरीजों को सभी प्रकार की सुविधायें उपलब्ध रहे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने आदर्श ग्राम पंचायत सरकार भवन, बखोरापुर का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया और नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने 6.52 करोड़ रुपये की लागत से भोजपुर जिला में नवनिर्मित मॉडल थाना, हसनबाजार का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया तथा 16.07 करोड़ रुपये की लागत से भोजपुर जिला में निर्मित होनेवाले दो थाना भवन सहित कुल 12 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 105 लाभुकों को चाभी प्रदान किया। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत 600 लाभुकों को 1 करोड़ 84 लाख 36 हजार रुपए की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री तालाब मात्सियकी विकास योजना एवं मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना के 8 लाभुकों को, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के 110 लाभुकों को सांकेतिक चेक तथा 1020 भूमिहीनों को पर्चा वितरण किया गया।

स्कूली वैन-ट्रक की टक्कर में 16 बच्चे घायल, दो गंभीर

पटना। बेगूसराय जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-31 देवना चौक के पास गुरुवार सुबह ट्रक व स्कूली वैन की टक्कर हो जाने से 16 बच्चे घायल हो गए, जिनमें से दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक माउंट कार्मेल स्कूल की गाड़ी 16 बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। इसी दौरान ट्रक से स्कूल वैन की टक्कर हो गयी. जिसमें स्कूल वैन में सवार सभी बच्चे जख्मी हो गये। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जहां दुर्घटना हुई, वहां कट प्वाइंट है। स्कूल की गाड़ी सही दिशा से जा रही थी, जिसे पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मारी। रिफाइनरी थाना प्रभारी अमरजीत प्रसाद घटनास्थल पर पहुंच कर सभी जख्मी बच्चों को करीबी ग्लोकल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद 14 बच्चों को घर भेज दिया गया।

2 लाख के भारतीय जाली नोट के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस की टीम ने जाली नोट के एक बड़े धंधेबाज गिरोह का पदार्फाश किया है।साथ ही इस धंधे के सरगना सहित तीन तस्कर को दो लाख के नकली नोट के साथ गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी भारत नेपाल के रक्सौल बॉर्डर से हुई है। गिरफ्तार इन तस्करो से देश के कई सुरक्षा एजेंसी पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार तस्करो में इस धंधे का सरगना नजरे सद्दाम भी शामिल है। जिसका तार पाकिस्तान व बांग्लादेश से जुड़ा है। यह लंबे समय से पाकिस्तान से नकली नोट नेपाल के रास्ते लाकर देश के कई राज्यो में पहुंचाने का काम कर रहा था। नजरे सद्दाम को मिलिट्री इंटलिजेंस सहित कई सुरक्षा एजेंसी लंबे समय से तलाश रही थी। हालांकि मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्रा को मिली गुप्त सूचना के बाद जाल बिछाकर तस्कर नजरे सद्दाम को उसके अन्य सहयोगियों के साथ नेपाल से भारत में प्रवेश करने के क्रम में गिरफ्तार कर लिया गया।जिनकी तलाशी लेने पर उनके पास से लगभग दो लाख रुपये के भारतीय जाली नोट बरामद हुए हैं।फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियां गिरफ्तार तस्करों को किसी अज्ञात जगह पर रख कर पूछताछ कर रही है।

खास खबर

ईशान किशन दिलीप ट्रॉफी से बाहर हुए

बेंगलुरु । दिलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट आज से शुरू हुआ। इसमें विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन फिट नहीं होने के कारण इंडिया डी की ओर से पहले राउंड में नहीं खेल पायेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार ईशान ग्रोइन इंजरी से पीड़ित हैं। बीसीसीआई कहा कि ईशान बुची बाबू टूनार्मेंट के दौरान चोटिल हो गये थे। बीसीसीआई ने उनकी जगह संजू सैमसन को टीम में शामिल किया है। दिलीप ट्रॉफी में चार टीमें भाग ले रही हैं इसमें शुभम गिल, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव और मयंक अग्रवाल भी खेलेंगे।
बीसीसीआई की मेडिकल टीम के अनुसार ईशान की फिटनेस का ध्यान रखा जा रहा है। . वहीं सूर्यकुमार यादव भी बाबू आमंत्रण टूनार्मेंट में मुंबई की ओर से खेलते समय चोटिल होने के कारण इसमें नहीं खेल पायेंगे। उन्हें अनंतपुर में होने वाले इंडिया सी औरी इंडिया डी मैच में खेलना था अब वह फिटनेस हासिल करने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पहुंचे हैं। वहीं तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा इस साल फरवरी में हुई सर्जरी से उबर रहे हैं इस कारण वह भी इस टूनार्मेंट से बाहर रहेंगे।

अनिल धूपर भारतीय डेविस कप टीम के प्रबंधक नियुक्त

इन्दौर । अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर स्टॉकहोम (स्वीडन) में होने वाले डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप-1 में भारतीय डेविस कप टीम के प्रबंधक के रूप में प्रतिनिधित्व करेंगे। डेविस कप टाई में भारत का मुकाबला स्वीडन से 14 एवं 15 सितम्बर 2024 को खेला जाएगा। धूपर पिछले 6 वर्षों से डेविस कप टीम के प्रबंधक के रूप में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। धूपर की इस उपलब्धि के लिए मध्य प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष अनिल महाजन एवं अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी है। भारतीय डेविस कप टीम में चयनित खिलाड़ियों में रामकुमार रामानाथन, एन. श्रीराम बालाजी, निक्की पूनाछा, सिद्धार्थ विश्वकर्मा, आर्यन शाह व मानस धामने (रिजर्व) शामिल है। कप्तान रोहित राजपाल होंगे और प्रशि?क्षक का दायित्व आशुतोष सिंह को सौंपा गया है।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन 4 अक्टूबर से

मुंबई। प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन , 4 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर 2024 को होगा। इस सीजन में देश के सभी हिस्सों से 6 टीमों में कुल 180 आर्म-रेसलर्स शामिल होंगे, जो प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए पुरुष, महिला और विकलांग श्रेणियों में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रो पंजा लीग, जिसकी सह-स्थापना बॉलीवुड अभिनेता और निमार्ता परवीन डबास और प्रीति झंगियानी ने की है और जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज सुनील शेट्टी भागीदार हैं, ने 2023 में पहले सीजन से पहले रैंकिंग टूनार्मेंट के दो संस्करण, कई मेगा मैच और कई प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए, जो 32 मिलियन अद्वितीय दर्शकों के साथ एक बड़ी सफलता साबित हुई। प्रो पंजा लीग ने भारत में आर्म रेसलिंग के खेल को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की है।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के धर्मबीर को मिला स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में धरमबीर ने एक नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रणव सूरमा ने रजत पदक जीता।
2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता धरमबीर ने चार फाउल किए, अपने पांचवें प्रयास में वह 34.92 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे, जो स्वर्णिम साबित हुआ। उनका अंतिम थ्रो 31.59 मीटर था। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2020 में पैरालिंपिक में भाग लिया था, जिसमें वे क्रमशः नौवें और आठवें स्थान पर

रहे थे। 35 वर्षीय धरमबीर हरियाणा के सोनीपत से हैं। 2012 में डाइविंग करते समय वे पानी के नीचे की चट्टानों से टकरा गए थे और इसके परिणामस्वरूप कमर के नीचे लकवा मार गया था। उन्होंने 2014 में अमित कुमार सरोहा के मार्गदर्शन में इस खेल को अपनाया।
हांग्जो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 34.59 मीटर था जो उनके पहले प्रयास में आया। एक फाउल के अलावा, उनके बाकी चार थ्रो 34.19 मीटर, 34.50 मीटर, 33.90 मीटर और 33.70 मीटर थे। प्रणव 16 वर्ष की आयु में ही लकवाग्रस्त हो गए थे, जब 2011 में उनके घर की छत उन पर गिर गई थी। हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले 29 वर्षीय प्रणव पेशे से बैंकर हैं। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय अमित कुमार सरोहा केवल 23.96 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके और 10 प्रतिभागियों में अंतिम स्थान पर रहे। 39 वर्षीय अमित ने 2012 में लंदन में पुरुषों की डिस्कस थ्रो ऋ51 स्पर्धा में अपना पैरालिंपिक पदार्पण किया था, इससे पहले उन्होंने 2016 में रियो डी जेनेरियो और 2021 में टोक्यो में पुरुषों की क्लब थ्रो ऋ51 में देश का प्रतिनिधित्व किया था। अमित कुमार सरोहा 22 साल की उम्र में एक कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी के दबाव के कारण क्वाड्रिप्लेजिक होने से पहले राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी थे। वह दो बार विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उनके पास दो स्वर्ण सहित पांच एशियाई खेल पदक भी हैं।
मौजूदा विश्व चैंपियन और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जेल्को दिमित्रिजेविक ने 34.18 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।
क्लब थ्रो एक ऐसा इवेंट है जिसमें उद्देश्य लकड़ी के क्लब को जितना संभव हो सके उतना दूर फेंकना होता है। यह हैमर थ्रो के बराबर पैरा है जिसमें प्रतिभागी थ्रो के लिए आवश्यक शक्ति उत्पन्न करने के लिए कंधों और बाहों पर निर्भर करते हैं। बता दें कि अब तक भारत ने पैरालंपिक खेलों के चल रहे संस्करण में 24 पदक जीत लिये हैं, जिनमें पाँच स्वर्ण, नौ रजत और 10 कांस्य शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को हराकर बनाया विश्व रिकार्ड

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में 7 विकेट से जीत के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक नया रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पावरप्ले में ही 36 गेंदों पर 113 रन बना दिये। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरूआती 10 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। ट्रेविस हेड के 80 और मिचेल मार्श के 39 रनों की आक्रामक पारी से ऑस्ट्रेलिया ने केवल 9.4 ओवर में तीन विकेट पर 156 रन बना लिए।

इस प्रकार उसने सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। हेड ने 17 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्के लगाये। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड की टीम ने 9 विकेट पर 154 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुनसे ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाये जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 27 रनों की पारी खेली। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से शीन एबॉट ने 3 विकेट जबकि जेवियर बार्टलेट और एजम जाम्पा ने 2-2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने तूफानी शुरूआत करते हुए 6 ओवर में ही 113 रन बना दिये। इससे पहले पावरप्ले में साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 102 रन बनाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज की टीम रही। उसने साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ पावरप्ले में 98 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज हेड ने केवल 17 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया।

द्रविड़ को कोच, राठौड़ को सहायक कोच बना सकती है रॉयल्स

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ अब आईपीएल आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बन सकते हैं। वहीं द्रविड़ के साथ भाररीय टीम के कोचिंग स्टाफ में रहे विक्रम राठौड़ को सहायक कोच बनाया जा सकता है। द्रविड़ का भारतीय क्रिकेट टीम से करार टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। उसके बाद से ही उन्होंने अब तक कोई नई जिम्मेदारी नहीं स्वीकार की है। इसी को देखते हुए रॉयल्स टीम के प्रबंधन की उनसे बात चल रही है। अगर वह कोच बनने है तो इस साल के अंत में होने वाली नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन जैसे मामलों पर भी अभी से कामकाज शुरू कर देंगे।
माना जा रहा है कि रॉयल्स के साथ उनकी बातचीत अंतिम चरण में है और वह जल्दी ही मुख्य कोच का पद संभाल लेंगे। द्रविड़ के आने से रॉयल्स को को बेहतर प्रदर्शन का भरोसा रहेगा। वहीं पिछले तीन साल से रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक पद पर रहे काबिज कुमार संगकारा अपने पद पर बने रहेंगे। द्रविड़ साल 2012 और 2013 में रॉयल्स के कप्तान भी रहे थे। इसके अलावा वह टीम के दो साल मेंटोर भी रहे हैं। इसके बाद वह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स चले गये थे। द्रविड़ बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख भी रहे हैं। द्रविड़ को साल 2021 में रवि शास्त्री की जगह भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाय गया था। इस बीच ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार द्रविड़ के कार्यकाल में भारत के बल्लेबाजी कोच रहे।

विराट सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कमाई के मामले जितने आगे हैं। उतने ही आयकर भरने को लेकर भी हैं। विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेटर सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ का टैक्स भरा है। विराट कोहली सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद महेन्द्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर हैं। धोनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विराट कोहली के बाद सबसे अधिक 38 करोड़ का टैक्स भरा है। वहीं तेंदुलकर ने 28 करोड़, गांगुली ने 23 करोड़ और हार्दिक

पांड्या ने 13 करोड़ का टैक्स भरा है। इस सूची में ऋषभ पंत 10 करोड़ के टैक्स के साथ 6ठे स्थान पर हैं। हैरानी की बात ये है कि इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला पाक

दुबई । बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार के साथ ही पाकिस्तान को दोहरा झटका लगा है। इसी के साथ ही पाक टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गयी है। इस प्रकार पाक टीम और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंची है। पाक टीम को पहले टेस्ट मैच में 10 विकेट से जबकि दूसरे मैच में छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसी को लेकर आईसीसी ने कहा, पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में 76 रेटिंग अंक लेकर दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाक टीम , सीरीज से पहले छठे स्थान पर थी पर लगातार हार के कारण वह नीचे आठवें स्थान पर फिसल गयी।

ब्ल्यूटीसी फाइनल तीन मैचों की सीरीज वाला होना चाहिये : लियोन

एजेंसी

ऑकलैंड । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक से अधिक मैच होने चाहिये। लियोन के अनुसार केवल एक मैच के फाइनल से ही बेहतर परिणाम नहीं मिल सकता। इसलिए फाइनल तीन मैचों की सीरीज वाला होना चाहिये। इस क्रिकेटर ने माना है कि ये आईसीसी के लिए इस प्रकार का कार्यक्रम रखना आसान नहीं होगा। लियोन ने डब्ल्यूटीसी के दो-वर्षीय प्रारूप को भी बेहतर बताया, इसको लेकर उनका कहना है कि यह अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग है क्योंकि इसमें टीमों को लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। लियोन ने कहा, यह टूनार्मेंट का खेल नहीं है। आप केवल सेमीफाइनल में पहुंचकर दो

गेम हारकर या कुछ और करके नहीं रह सकते। आपको चक्र के दो वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा, एक चीज जो मैं देखना चाहता हूं, वह यह कि मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल संभावित रूप से तीन मैचों की सीरीज में देखना चाहता हूं। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है क्योंकि आप संभावित रूप से एक सत्र में टेस्ट मैच का उपयोग करके हार सकते हैं, जहां तीन मैचों की सीरीज में टीमों को अपना दबदबा दिखाने और 3-0 से जीतने का मौका दे सकता है। वैसे भी हमारे पास समय की कमी है और यह एक चुनौती होगी, लेकिन यह एक चीज है जिसे मैं बदलना चाहूंगा। उन्होंने कहा, आप संभावित रूप से इंग्लैंड में एक, भारत में एक, ऑस्ट्रेलिया में एक खेल सकते हैं, इसलिए आपके पास सभी अलग-अलग स्थितियां हैं, लेकिन जाहिर है इसका समय सब कुछ बदल देता है। मुझे नहीं लगता कि हम अगस्त के मध्य में एमसीजी पर उतरेंगे, बस इसे वहां रख रहे हैं। लियोन ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीसी प्रारूप व्यक्तिगत श्रृंखलाओं में डेड रबर की संभावना को दूर करता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण और प्रतिस्पर्धी बना रहे, जिसमें दो साल के चक्र के भीतर प्रत्येक अंक का महत्व हो। इस क्रिकेटर ने कहा, ओह, हां। मैं बस इतना कहूंगा कि यह (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) टेस्ट क्रिकेट का शिखर है। लोग कहते हैं कि कभी-कभी जब आप तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो जाते हैं या जो भी हो, यह एक बेजान रबर होता है पर मुझे लगता है कि अब कोई बेजान रबर नहीं है। लियोन ने डब्ल्यूटीसी को टेस्ट क्रिकेट का विश्व कप बताया है जिससे लिए टीमों को काफी मैच खेलने पड़ते हैं।

आरटीएम नियम को सही नहीं मानते अश्विन

एजेंसी

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि 2025 आईपीएल सत्र के लिए होने वाली मेगा नीलामी में आरटीएम (राइट टू मैच) नियम नहीं अपनाया जाना चाहिये। इससे पहले इस महीने की शुरूआत में बीसीसीआई मुख्यालय में आईपीएल 2025 के लिए आरटीएम नियम को फिर से लागू करने पर बात हुई थी। ये एक ऐसा नियम है जिसमें टीमें पिछले सत्र में शामिल खिलाड़ी को अगले सत्र में भी शामिल कर सकती हैं। ये नियम पहली बार 2014 में लागू किया गया था पर 2018 के बाद से ही

आईपीएल नीलामी में इसका प्रयोग रोक दिया गया था। इस नीयम के तहत अगर किसी फ्रेंचाइजी टीम का खिलाड़ी नीलामी में उतर रहा है, तो उसकी बोली पूरी हो जाने के बाद उस फ्रेंचाइजी टीम के पास अधिकार होता है कि बोली लगी हुई रकम पर वो उस खिलाड़ी को वापस अपनी टीम में रख ले। अश्विन का कहना है कि वर्तमान स्वरुप में ये नियम स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अश्विन ने कहा, अगर किसी फ्रैंचाइजी ने किसी खिलाड़ी को इसलिए रिलीज कर दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनके टॉप चार या पांच में नहीं है, तो उन्हें नीलामी के दौरान इसमें शामिल होने का क्या अधिकार है? आप खिलाड़ी को विकल्प देते हैं, पूछते हैं कि क्या वह सही मैच में खेलना चाहता है। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों के बीच एक अनुबंध होना चाहिए, जिसमें कहा जाए कि उसे आरटीएम किया जा सकता है, केवल तभी जब कीमत एक्स राशि हो और उस पूर्व-निर्धारित राशि को खिलाड़ी द्वारा तय किया जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है जब अश्विन ने इस नियम के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है। इससे पहले भी उन्होंने दावा

आईसीसी रैंकिंग में 13 वें स्थान पर खिसके बाबर आजम

एजेंसी

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में 13 वें स्थान पर खिसक गये हैं। दिसंबर 2019 के बाद ये पहली बार है जब बाबर शीर्ष 10 से बाहर हुए हैं। अब शीर्ष 10 में एक ही पाक बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बचे हुए हैं। आजम पिछले कुछ समय से फार्म मं नहीं हैं। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में भी वह असफल रहे थे। इस कारण वह रैंकिंग में नीचे आये हैं। । घरेलू मैदान पर 2-0 से करारी हार के बाद पाकिस्तान क्ळउ की नई टेस्ट रैंकिंग में 8वें स्थान पर खिसक

गया। इस बल्लेबाजी ने पिछले दो साल से कोई शतक नहीं बनाया है। इसके अलावा वह लाल गेंद के प्रारूप में भी विफल रहे हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट 922 रैंकिंग अंक लेकर नंबर एक पर हैं। वह दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 63 अंक आगे हैं। रूट के पास अब अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। वह साल 2022 में भारत के खिलाफ एजबेस्टन में शतक लगाने के बाद हासिल की गई 923 रेटिंग से सिर्फ एक अंक दूर है। श्रीलंका के खिलाफ रूट ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस बल्लेबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये थे। इस प्रकार उन्होंने टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों का एलेस्टेयर कुक का रिकार्ड तोड़ दिया था। वहीं
न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के हैरी ब्रूक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं। भारत के तीन बल्लेबा शीर्ष 10 में शामिल हैं। रोहित शर्मा छठे स्थान पर हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली क्रमशः 7वें और 8वें स्थान पर हैं।

पांच दिवसीय शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

- मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो की टीम बनी चैंपियन
- टूर्नामेंट की उपविजेता बनी सुमित ब्रदर्श रानीखटंगा की टीम

रांची। शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में गुरुवार को खेले जा रहे शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूनामेंट-2024 का ट्रॉफी मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो ने अपने नाम कर लिया। पांच सितंबर को फाइनल मैच मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो और सुमित

ब्रदर्श रानीखटंगा के बीच खेला गया। इसमें ट्राइब्रेकर में झारखंड एफसी ने 5-4 गोल से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। टूनार्मेंट के पहले सेमीफाइनल में सुमित ब्रदर्श रानीखटंगा ने तिग्गा परिवार एफसी को 1-0 और दूसरे सेमीफाइनल में मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो ने ट्राइब्रेकर में ओल्ड इज गोल्ड रांची को 7-6 गोल से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले फाइनल मैच का उद्घाटन अतिथि शिल्पी नेहा तिर्की, (विधायक, मांडर विधानसभा क्षेत्र), विषिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक सह कार्यकारी अध्यक्ष झारखंड प्रदेश कांग्रेस बंधु तिर्की, बंझिला पचायत की मुखिया सोहंती एक्का, शहीद की पत्नी विमला देवी, मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का, उप प्रमुख अमानत अंसारी, खलारी इंस्पेक्टर शशिभूषण चौधरी सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय कर किया। मौके पर अतिथियों ने खिलाड़ियों और आयोजन समिति के सदस्यों का मनोबल बढ़ाया और इस तरह के आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। विजेता टीम मैसी झारखंड एफसी चचकोपी बेड़ो को मुख्य अतिथि लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने 75 हजार रुपए नगद और ट्राफी देकर सम्मानित किया।वहीं उपविजेता टीम सुमित ब्रदर्श रानीखटंगा को मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने 45 हजार नगद और ट्राफी प्रदान किया। इसके अलावा तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ओल्ड इज गोल्ड रांची को बंझिला पंचायत की मुखिया सोहंती एक्का ने 11 हजार नगद और चौथे स्थान पर रहनेवाली तिग्गा परिवार एफसी की टीम को 11 हजार नगद देकर सम्मानित किया। मैन ऑफ दी सिरीज सुमित ब्रदर्श के संदीप कुजूर को इंस्पेक्टर शशिभूषण चौधरी और मैन ऑफ दी मैच चचकोपी बेड़ो के दीपक कच्छप को मांडर प्रमुख फिलिप सहाय एक्का ने प्रदान किया। टूनार्मेंट के सफल संचालन में आयोजन समिति के अध्यक्ष मो. शकिब (छोटू), स्कोरर रंजीत खलखो, खेल प्रभारी फ्रांसिस जेवियर खलखो, लखो उरांव, मो. अबदुल सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

न्यूयार्क में अमेरिकी ओपन टेनिस में खेलती हुई पोलैंड की इवा स्वीटेक।

गणेश चतुर्थी के दिन भूलकर भी न देखें चंद्रमा

आपके साथ हो सकती हैं ये बड़ी अनहोनी

गणेश चतुर्थी का पर्व देशभर में बड़ी धूमधाम के साथ 7 सितंबर को मनाया जाएगा। गणेश चतुर्थी के दिन लोग अपने घरों में गणेशजी की स्थापना करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं इस दिन भूलकर भी चंद्रमा के दर्शन नहीं करने चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको झूठे आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं पौराणिक कथाओं के अनुसार, क्यों गणेश चतुर्थी के दिन क्यों चंद्रमा के दर्शन करने के लिए मना किया जाता है।

गणेश चतुर्थी का पर्व देशभर में 7 सितंबर को मनाया जाएगा। गणेश चतुर्थी का पर्व बहुत ही धूमधाम से देशभर में मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी का पर्व भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इसे कलंक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। गणेश चतुर्थी का उत्सव कम से कम 10 दिनों तक चलता है। ऐसी मान्यता है कि गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा के दर्शन नहीं करने चाहिए। आइए जानते हैं गणेश चतुर्थी के दिन क्यों नहीं करने चाहिए चंद्रमा के दर्शन।

गणेश चतुर्थी के दिन यदि चंद्रमा के दर्शन भूलकर भी नहीं करने चाहिए। ऐसा करना बहुत ही अशुभ संकेत माना जाता है। इस जिन यदि कोई चंद्रमा के दर्शन कर लेता है तो उसे अपने जीवन में कई सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मिथ्या दोष लगने पर आपके जीवन में कई सारी दिक्कतें आने लगती हैं। साथ ही इस दिन चंद्रमा के दर्शन करने से आप पर कोई कलंक, झूठा आरोप आदि लग सकता है।

गणेशजी ने दिया था चंद्रमा को श्राप

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार गणेशजी मूषक पर सवार होकर जा रहे थे। उनके हाथ में बहुत सारे लड्डू थे। इस दौरान अपने भारी वजन के कारण वह लड़खड़ा कर गिर गए। ऐसे में चंद्रदेव उन्हें देखकर हंसने लगे। यह सब देखकर गणेशजी को बड़ा क्रोध आया और वह अपमानित महसूस करने लगे। तब गुस्से में गणेशजी ने चंद्रदेव को श्राप दे दिया। गणेशजी ने चंद्रदेव से कहा कि तुम्हें अपने रूप पर बड़ा घमंड है न इसलिए मैं तुम्हें क्षय होने का श्राप देता हूं। गणेशजी के श्राप के प्रकोप के कारण चंद्रमा का तेज हर दिन क्षय होने लगा और वह मृत्यु की तरफ बढ़ने लगे।

भगवान शिव ने बचाई चंद्रदेव की जान

इसके बाद सभी देवताओं ने चंद्र देव से कहा कि तुम शिवजी की तपस्या करो। इसके बाद चंद्रदेव ने गुजरात के समुद्र तट पर शिवलिंग बनाकर तपस्या की। चंद्रदेव की तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें अपने सिर पर स्थान दिया और उन्हें मृत्यु से बचा लिया। जिस जगह चंद्र देव ने प्रार्थना की थी उस स्थान पर भगवान शिव चंद्र देव की प्रार्थना पर ज्योर्तिलिंग रूप में पहली बार प्रकट हुए थे और वह स्थान सोमनाथ कहलाया था।

चंद्रदेव ने मांगी गणेशजी की क्षमा

इन सबके बाद चंद्रदेव से गणेशजी से भी क्षमा मांगी तब गणेशजी ने कहा कि मैं आपके श्राप को खत्म तो नहीं कर सकता हूं लेकिन, अब आप हर दिन क्षय होंगे और 15 दिन बाद आप फिर से रोशन होने लगेंगे और पूर्ण हो जाएंगे। लोग आपके दर्शन हर दिन कर पाएंगे लेकिन, भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन जो भी व्यक्ति आपके दर्शन करेगा उसको कलंक का सामना करना पड़ेगा। उस पर झूठा आरोप लग सकता है।

कृष्ण जी पर भी लगा था झूठा आरोप

कथाओं के अनुसार, एक बार जरासंध के कारण श्री कृष्ण समुद्र के बीच नगरी बसाकर रहने लगे। जिसे आजकल द्वारकापुरी के नाम से जाना जाता है। द्वारका में रहने वाले सत्राजित यादव ने सूर्यनारायण की आराधना की। उसकी आराधना से प्रसन्न होकर सूर्यदेव ने अपनी एक मणि उसे दे दी। जो नित्य आठ भार सोना देती थी।

शेर ने किया प्रसेनजित का वध

मणि लेकर जब सत्राजित समाज के बीच पहुंचा तो भगवान कृष्ण ने मणि को पाने की इच्छा जाहिर की। लेकिन, सत्राजित ने वह मणि अपने भाई को दे दी। सत्राजित का भाई प्रसेनजित एक बार शिकार पर गया। वहां, शेर ने उसे मार दिया और उसकी मणि लेकर चला गया। वहीं, दूसरी तरफ रीछों का राजा जामवंत उस शेर पर मारकर मणि को लेकर एक गुफा में चला गया।

सत्राजित ने लगाया आरोप

जब काफी दिन बीत गए और प्रसेनजित वापस नहीं लौटा तो सत्राजित को बहुत ही दुख हुआ। सत्राजित के मन में वहीं ख्याल आया जब श्री कृष्ण ने मणि मांगी थी। तो उसके मन में ख्याल आया कि श्री कृष्ण ने ही मणि को प्राप्त करने के लिए उसके भाई का वध कर दिया होगा। बिना किसी सबूत के उसने नगर भर में प्रचार कर दिया कि श्री कृष्ण ने प्रसेनजित को मारकर मणि छीन ली।

मणि ढूंढने के लिए जंगल में पहुंचे श्रीकृष्ण

लोक निंदा के निवारण के लिए श्रीकृष्ण लोगों के साथ मिलकर प्रसेनजित को ढूंढने के लिए वन में गए। वहां, जाकर उन्हें प्रसेनजित को शेर द्वारा मार डालने के चिन्ह मिलें। इसके बाद वह आगे बढ़ें तो उन्हें शेर को रीछ द्वारा मारने के चिह्न प्राप्त हुए। रीछ के निशानों को खोजते खोजते वह गुफा के भीतर चले गए। गुफा में जाकर उन्होंने देखा कि जामवंत की पुत्री मणि के साथ खेल रही है। जामवंत ने जैसी ही श्रीकृष्ण को देखा वह युद्ध के लिए तैयार हो गया। गुफा के बाहर भगवान कृष्ण के साथियों ने कम से कम 7 दिनों तक प्रतीक्षा की। इसके बाद वह लोग वापस लौट गए। उन्हें लगा कि श्रीकृष्ण का वध हो गया है। उधर दूसरी तरफ 21 दिन तक श्रीकृष्ण और जामवंत का युद्ध चला। जामवंत जब श्री कृष्ण को हरा न सका तो उसने सोचा कि कहीं, यह वहीं अवतार तो नहीं जिसके लिए मुझे भगवान राम ने वरदान दिया था। उसके बाद जामवंत ने अपनी कन्या का विवाह श्री कृष्ण के साथ कर दिया और मणि को दहेज में दे दी।

भगवान कृष्ण पर लगा एक और आरोप

भगवान कृष्ण जब मणि लेकर वापस द्वारका आए तो। सत्राजित बहुत लज्जित हुआ। लज्जा से मुक्त होने के लिए उसने अपनी पुत्री का विवाह श्री कृष्ण के साथ कर दिया। कुछ समय बाद श्री कृष्ण किसी काम से इंद्रप्रस्थ चले गए। तब अक्रूर और शतधन्वा ने सत्राजित का वध करके मणि छीन ली। सत्राजित की मौत के बारे में जैसे ही भगवान कृष्ण के पता चला वह तुरंत द्वारका वापस लौट आए। इसके बाद शतधन्वा से मणि वापस लाने के लिए श्रीकृष्ण और बलराम दोनों निकल गए। उधर शतधन्वा ने मणि अक्रूर को दे दी जिसने उसे यह सब करने की सलाह दी थी। श्रीकृष्ण ने शतधन्वा का पीछा कर उसे मार को डाला लेकिन, मणी उन्हें वापस नहीं मिल पाई। उन्होंने बलराम को सारी बात बताई बलराम को इसपर विश्वास नहीं हुआ और वह विदर्भ चले गए। श्री कृष्ण जब द्वारका वापस लौटे तो लोगों ने उनका खूब अपमान किया। तत्काल यह समाचार फैल गया कि मणि के लोभ में श्रीकृष्ण ने अपने भाई को त्याग दिया। भगवान कृष्ण इसके बाद शोक में डूब गए। तब नारदजी वहां आए। उन्होंने श्री कृष्ण को बताया कि आपने भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के दिन चंद्रमा के दर्शन करने के कारण आपको इस तरह अपमानित होने पड़ा है। इसलिए गणेश चतुर्थी के दिन भूलकर भी चंद्रमा के दर्शन नहीं करने चाहिए। यदि आपने दर्शन कर लिए तो आप पर झूठा कलंक भी लग सकता है। इसलिए इस दिन चंद्रमा के दर्शन करने से बचना चाहिए।

अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए सुहागिन महिलाएं रखती हैं हरतालिका तीज का व्रत

इस बार हरतालिका तीज का व्रत 6 सितंबर शुक्रवार के दिन रखा जाएगा। इस बार हरितालिका तीज पर कई शुभ योग बन रहे हैं। हरतालिका तीज पर इस बार एक साथ कई शुभ योग बन रहे हैं। हरतालिका तीज पर इस बार हस्त नक्षत्र का शुभ संयोग भी है जोकि उस समय बना था तब माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए व्रत किया था।

हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखती हैं। हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन रखा जाता है। इस बार हरतालिका तीज का व्रत 6 सितंबर शुक्रवार के दिन रखा जाएगा। इस बार हरितालिका तीज पर कई शुभ योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं हरतालिका तीज पर पूजा का शुभ मुहूर्त और योग।

हरतालिका तीज पर बने कई शुभ योग

हरतालिका तीज पर 6 सितंबर शुक्रवार के दिन रवि योग, बुधादित्य योग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा और शुक्र की कन्या राशि में युति होगी जो की बहुत ही शुभ फलदायी साबित होने वाली है। इन सबके साथ ही गुरु चंद्रमा का नवपंचम योग रहेगा। सुबह हस्त नक्षत्र और शाम में चित्रा नक्षत्र रहेगा। तृतीया तिथि के साथ चतुर्थी तिथि का संयोग बना हुआ है जो शास्त्रों में बहुत ही उत्तम माना जाता है।

शुभ मुहूर्त

5 सितंबर गुरुवार के दिन को तृतीया तिथि सुबह 12 बजकर 22 मिनट पर आरंभ हुआ और इस तिथि का समापन 6 सितंबर को दोपहर में 3 बजकर 1 मिनट पर होगा। 6 सितंबर को हरतालिका तीज की सुबह की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 2 मिनट से 8 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। यानी कुल दो घंटे 31 मिनट का मुहूर्त सबसे उत्तम रहेगा। इसके बाद शाम की पूजा के लिए में 5 बजकर 26 मिनट से 6 बजकर 36 मिनट तक का मुहूर्त सबसे उत्तम रहने वाला है। इस बार हरतालिका तीज पर हस्त नक्षत्र का बहुत ही शुभ संयोग बन रहा है। जो कि उस समय बना था जब माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए व्रत रखा था।

हरतालिका तीज पर लक्ष्मी प्राप्ति के 6 उपाय आपका भाग्य करेंगे मजबूत

धन-धान्य से हमेशा भरे रहेंगे भंडार

हरतालिका तीज इस साल 6 सितम्बर, शुक्रवार के दिन हैं। ऐसे में लक्ष्मी प्राप्ति के उपाय करने के लिए शुक्रवार का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। आप अगर आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो हरतालिका तीज पर कुछ विशेष लक्ष्मी प्राप्ति के उपायों को करने से आपके धन-धान्य के भंडार हमेशा भरे रहेंगे। आइए, जानते हैं हरतालिका तीज के लिए लक्ष्मी प्राप्ति के उपाय।

हरतालिका तीज अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। हरतालिका तीज पर सुहागिन महिलाएं पति की लम्बी उम्र के लिए शिव-पार्वती से प्रार्थना करती हैं। हरतालिका तीज केवल पति-पत्नी के अखंड सौभाग्य का प्रतीक ही नहीं है बल्कि धन प्राप्ति के लिए भी हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। हरतालिका तीज इस साल 6 सितम्बर को है। हरतालिका तीज पर कुछ विशेष उपाय करने से धन की प्राप्ति होती है। आइए, जानते हैं हरतालिका तीज के धन प्राप्ति के उपाय।

देवी लक्ष्मी के सामने जलाएं 11 देसी घी के दीए

हरतालिका तीज पर शिव-पार्वती की पूजा करने के साथ देवी लक्ष्मी की पूजा भी की जाती है। देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हरतालिका तीज की शाम देवी लक्ष्मी के सामने 11 देसी घी के दीए जलाएं। इसके बाद लक्ष्मी चालीसा का पाठ करके इन सभी दीयों को मुख्य दरवाजे के आसपास रख दें।

कपूर जलाकर पूरे घर में दिखाएं इसकी रोशनी

देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए आपको कपूर जलाकर पूरे घर में इसकी रोशनी दिखानी है। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। कपूर की सुंगध भी घर में सकारात्मकता लाती है, इसलिए शाम के समय आपको घर में कपूर जरूर जलाना चाहिए।

भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी दूध से अभिषेक करें

भगवान विष्णु के बिना लक्ष्मी अधूरी मानी जाती हैं। ऐसे में आपको अपना भाग्य मजबूत बनाने के लिए भगवान विष्णु के स्तुति भी करनी चाहिए। हरतालिका तीज पर भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी को सुबह के समय केसर मिले दूध के साथ आपको भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का दूध से अभिषेक करें।

हरतालिका तीज के दिन माता लक्ष्मी को अर्पित करें ये चीजें

हरतालिका तीज पर माता लक्ष्मी की विशेष कृपा पाने के लिए आपको शंख, कौड़ी, मखाने, मोती जैसी सफेद रंग की चीजें अर्पित करनी चाहिए। इससे भी माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। प्रिय चीजों को चढ़ाने के बाद अपनी मनोकामनाएं माता लक्ष्मी के सामने रखें।

हरतालिका तीज पर घर के दरवाजे पर गुलाल छिड़कें

हरतालिका तीज पर घर के मुख्य दरवाजे पर लाल या गुलाबी रंग का गुलाल छि?ककर दो मुखी दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का ध्यान करें। जब ये दोनों दीपक बुझ जाए, तो दीपक को पानी में बहा दें, इससे घर से आर्थिक तंगी दूर होती है और लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है।

काली चींटियों को चीनी डालें और पशुओं को खाना खिलाएं

आपके घर में अगर काले रंग की चींटियां निकलने लगी हैं, तो इन्हें भगाने की जगह इनके पास चीनी रख दें। काली चींटियों को चीनी खिलाने से माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। विशेषकर हरतालिका तीज पर पशु-पक्षियों जैसे गाय, कुत्ता, बकरी, कौआ, चिड़ियां आदि को भोजन खिलाना शुभ माना जाता है। इससे आपके घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं होगी।

शिक्षक दिवस पर आपकी जिंदगी को एक नई दिशा देंगे गीता के ये 10 कोट्स

प्रत्येक साल 5 सितम्बर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरु या शिक्षक की हर मनुष्य के जीवन में एक अहम भूमिका होती है। एक शिक्षक अपने शिष्य का मार्गदर्शन करता है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी महाभारत में हमेशा अर्जुन का मार्गदर्शन किया था। आइए, गीता ज्ञान से जानते हैं शिक्षक दिवस पर प्रेरणादायक कोट्स।

भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के केवल मित्र या फिर सारथी ही नहीं थे बल्कि अर्जुन के जीवन में भगवान कृष्ण उस गुरु की तरह थे, जो कठिन से कठिन समय में भी अपने शिष्य का हाथ कभी नहीं छोड़ता। शिक्षक या गुरु का यही साथ किसी भी शिष्य के जीवन को प्रकाशमान करने के लिए काफी होता है। हर साल 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इस दिन सर्वपल्ली राधा कृष्णन का जन्मदिन होता है। राधा कृष्णन के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। आइए, जानते हैं भगवान श्रीकृष्ण गीता के माध्यम से हमें क्या संदेश देते हैं। पड़ते हैं टीचर्स डे के कोट्स।

- भगवान हम सभी के भीतर हैं। उन्हें भी कष्ट होता है और वे भी हर भावना को महसूस कर सकते हैं। हमारे भीतर मौजूद यही भगवान हमारा शिक्षक और गुरु है, जो हमें जीवन के संघर्षों के रूप में बहुत कुछ सिखाता है।
- महाभारत में अर्जुन को गीता ज्ञान देते हुए श्रीकृष्ण कहते हैं कि मनुष्य को स्वंय से बेहतर कोई नहीं जान सकता। संसार की कोई अन्य शक्ति उसका आकलन नहीं कर सकती। उसे अपने बारे में जितना पता होता है, उतना किसी और को पता नहीं हो सकता। जिस दिन मनुष्य अपने गुणों और अवगुणों को जान लेता है, वो महान बन जाता है।
- भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि व्यर्थ की चिंताओं में पड़ने वाला मनुष्य अपना समय व्यर्थ करता है इसलिए अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए व्यर्थ की चिंताओं और इच्छाओं से दूर रहकर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए।
- भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि क्रोध एक ऐसी बीमारी की तरह है, जो आपको भीतर से खोंखला करती रहती है। आप अगर हमेशा क्रोध करते रहेंगे, तो रोगी बन जाएंगे। आपकी शक्ति व्यर्थ होती जाएगी और एक दिन क्रोध आपको अपना ग्रास बना लेगा, इसलिए क्रोध का त्याग जरूरी है।
- श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि सरल व्यक्ति के साथ किया गया छल-कपट आपके लिए विनाश के द्वार खोल देता है। शुरुआत में कपटी मनुष्य अपनी जीत का आनंद लेता है लेकिन धीरे-धीरे इसका नकारात्मक परिणाम सामने लगता है और कपटी मनुष्य पतन की ओर जाने लगता है।
- श्रीकृष्ण कहते हैं कि इस संसार में यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि आपको अपना मनपसंद मित्र या साथ मिल ही जाएगा लेकिन यह बात सही है कि आपको अकेले रहने के भय से किसी गलत साथी का चुनाव नहीं करना चाहिए, वरना इसके परिणाम बहुत ही बुरे हो सकते हैं। हमेशा यह बात याद रखनी चाहिए जिसका कोई नहीं होता, उसका भगवान होता है।

- भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि मनुष्य को कभी भी अंहकार नहीं करना चाहिए। अंहकार करने वाला मनुष्य हमेशा पतित ही होता है, बेशक से वह मनुष्य प्रतिभा का कितना ही धनी हो, इसलिए एक योद्धा को अंहकार करने से बचना चाहिए।
- श्रीकृष्ण ने कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग को ही कल्याण का प्रमुख साधन बताया है। कृष्ण कहते हैं कि मनुष्य का लक्ष्य कर्म करते रहना है, उसे कभी भी भाग्य के भरोसे नहीं बैठना चाहिए।
- गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि समय कभी भी एक जैसा नहीं रहता है। जो मनुष्य दूसरे मनुष्य का बुरा समय लाने के लिए जिम्मेदार होता है, उसे भी एक ही दिन बुरे समय से गुजरना पड़ता है।
- श्रीकृष्ण कहते हैं कि किसी के साथ चलते रहने से न ही आप अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं और ना ही आंतरिक खुशी, इसलिए आपको कर्म करते रहने के लिए हमेशा अकेले ही चलते रहना चाहिए। निर्भीक होकर अकेले चलते हुए कर्म करते रहें।

जीवन में महत्वाकांक्षी होना जरूरी: करीना कपूर खान

साल 2024 उनके लिए शानदार जा रहा है। क्रू कमाल दिखा चुकी है। सिंघम अगेन दिसंबर में आने वाली है और उससे पहले आ रही है बकिंघम मर्डर्स। इस सीरीज का हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ है। करीना की एक्टिंग ने खूब तारीफें हो रहीं है, हाल ही में करीना ने इंटरव्यू के दौरान फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस को लुक को लेकर बात की है। उन्होंने इंडस्ट्री की सच्चाई से वाकिफकराते हुए बताया है कि आजकल लोग एक्ट्रेस के काम से ज्यादा चेहरे पर फोकस करते हैं। इस बात को गलत ठहराते हुए एक्ट्रेस कहती हैं, मैं अपने लुक को लेकर हमेशा कॉन्फिडेंट रहती हूं, जैसी दिखती हूं उसको लेकर मैं बहुत खुश हूं, मैं हमेशा से पहले एक्टर बनना चाहती हूं लुक मेरे लिए बाद में आता है, उन्होंने ये भी बताया कि वो नहीं चाहती कि लोग उनके काम से ज्यादा लुक पर फोकस करें।

संतुलन होना जरूरी

मेरा मानना है कि इंसान को जीवन में महत्वाकांक्षी होना जरूरी है। मैं भी हूं। लेकिन, इसके लिए मैं खुद को परेशान भी नहीं कर सकती। ऐसी कोई भी उम्मीद जो मुझे मानसिक रूप से परेशान कर सकती है, मुझे पसंद नहीं है। कामयाबी और जीवन दो अलग अलग बातें हैं और इनमें संतुलन बेहद जरूरी है। करीना कपूर खान कहती हैं, एक्टिंग के लिए टैलेंट, सीखने का जुनून और नर्म स्वभाव होना चाहिए। ये तीन चीजें होंगी तो एक्टर एवरग्रीन बन जाएगा। लोग उसे सालों तक याद करेंगे। मैं आज भी सीखती हूं। आपको कोई भी सिखा सकता है। जब तक आप में सीखने की ललक नहीं होगी, तब तक आप कुछ सीख नहीं सकते।

करीना और सैफके बीच क्यों होते हैं झगड़े

करीना ने यह भी कहा कि ज्यादातर समय उनके बीच टाइम की वजह से और जब वे एक-दूसरे से मिल नहीं पाते, तब झगड़े होते हैं। वे पैसे के लिए नहीं लड़ते हैं, लेकिन कभी-कभी, जब सैफ तैमूर को थोड़ी देर तक जागने की इजाजत देते हैं, तो वह भड़क जाती हैं और उन्हें ब्लेम करती हैं। अपने झगड़ों के पीछे एक और दिलचस्प कारण का खुलासा करते हुए उन्होंने एसी टेंपरेचर का जिक्र किया। उन्होंने खुलासा किया कि सैफ16 डिग्री सेल्सियस चाहते हैं जबकि वह 20 डिग्री चाहती हैं, लेकिन वे 19 पर ही राजी हो जाते हैं।

श्रीदेवी, माधुरी, कैटरीना जैसी अभिनेत्रियों से डांस की प्रेरणा लेती हैं शरवरी

शरवरी, बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण के लिए जानी जाती हैं, और उनका डांस के प्रति जुनून उतना ही गहरा है जितना कि उनका सिनेमा के प्रति प्रेम। तरस में उनके शानदार प्रदर्शन ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। इतने बड़े डांस नंबर को करियर के शुरुआत में ही हासिल करना वास्तव में काबिले तारीफहै। शरवरी का डांस के साथ सफर कैमरे के रोल होने से बहुत पहले शुरू हो गया था। इस बारे में बात करते हुए शरवरी ने कहा, जैसे ही संगीत शुरू होता है, मैं तुरंत नाचने लगती हूं। यह मेरा स्वभाव है, जो बचपन से ही रहा है। बड़े होते हुए, मैं एक सुपर फिल्मी बच्ची बन गई थी और खुद को एक बॉलीवुड हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी, जो शिफॉन साड़ी पहनकर सरसों के खेतों में दौड़ते हुए और हिंदी फिल्मों के खूबसूरत गानों पर नाचते हुए नजर आती थी।

शरवरी ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने खुद के लिए इस पेशे को चुना और निश्चित रूप से तरस जैसे बड़े डांस सॉन्ग को हासिल करने का सपना देखा। मुझे इस डांस सॉन्ग के लिए चुना, तो मैं बहुत रोमांचित हुई। मैंने तरस की शूटिंग के दौरान अपना सब कुछ दिया। यह इंडस्ट्री को दिखाने का एक मौका था कि मैं अच्छे से डांस कर सकती हूं, और इसमें मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी है। मैंने रोजाना स्टेप्स का अभ्यास किया और मुझे खुशी है कि लोगों को जो उन्होंने देखा वो पसंद आया। जब मैंने थिएटर्स में लोगों को मेरे गाने पर नाचते हुए देखा, तो यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। मैं अपनी एक्टिंग, डांसिंग, मेहनत और पेशे के प्रति समर्पण के साथ लोगों का मनोरंजन करती रहूं। मुझे बॉलीवुड की अग्रणी महिलाओं से बहुत प्रेरणा मिलती है। श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, करीना कपूर, कैटरीना कैफने एक ऐसी विरासत छोड़ी है जिनसे मुझे लगातार प्रेरणा मिलती रहती है।

मुनव्वर और उर्फी ने अपनी साझा यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से जुड़ाव महसूस किया

अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, भावपूर्ण रैप और संगीत कौशल के लिए मशहूर बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार मुनव्वर फारुकी अपने बढ़ते प्रशंसकों को आकर्षित करना कभी बंद नहीं करते। अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू शो फर्स्ट कॉपी के पहले शेड्यूल के तुरंत बाद, मुनव्वर ने सोशल मीडिया की दिग्गज उर्फी जावेद के नवीनतम ओटीटी सनसनी, फॉलो कर लो यार में एक चर्चित अतिथि भूमिका निभाई। अपनी बोल्ड और बेबाक अपरंपरागत शैली के लिए जानी जाने वाली, उर्फी ने सीधे मुद्दे पर आकर मुनव्वर से पूछा कि वह एक ऐसे उद्योग में प्रासंगिक बने रहने का प्रबंधन कैसे करते हैं जो हमेशा अगली बड़ी चीज का पीछा करता रहता है। अपनी विशिष्ट अंतर्दृष्टि के साथए मुनव्वर ने अपने अनुभव से जुड़ी एक ज्ञान की बात साझा की।आपकी कला का जो भी रूप है, आपको उस पर काम करना होगा। आपके दर्शक भी आपको बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। मुनव्वर ने उर्फी की प्रशंसा करने में संकोच नहीं किया।

उर्फी जावेद ने कहा, मुनव्वर और मेरे बीच बहुत सी चीजें समान हैं, जैसे शून्य से ऊपर आना, और यही संघर्ष है, कोई व्यक्ति जो पहले कोई नहीं था, अब अचानक प्रसिद्धि पा लेता है। यह हार्दिक प्रतिबिंब दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ गया, क्योंकि इसने अचानक सफलता के साथ आने वाली चुनौतियों और जीत को उजागर किया।

खाना-खजाना

अरबी कबाब

सामग्री: अरबी 400 ग्राम, हरा धनिया 2 चम्मच, हरी मिर्च 3, बेसन 3 चम्मच, नमक स्वादानुसार, अदरक-लहसुन का पेस्ट 1 चम्मच, काली मिर्च 1 बड़ा चम्मच, चाट मसाला 1 चम्मच, दालचीनी पाउडर 1 चम्मच, तेल 3 चम्मच, ब्रेड क्रम्ब्स 2 चम्मच।

विधि: एक कूकर में अरबी को उबाल लें। उबले हुई अरबी को छिल लें। अरबी को मैश कर लें और काली मिर्च, पत्तागोभी, प्याज, अजवाइन और बेसन डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। मिलाने के बाद इसमें दालचीनी पाउडर, नमक, पीसा हुआ मिश्रण और चाट मसाला डालकर मिलाएं। अपने हाथ पर थोड़ा तेल लगाए और इस मिश्रण से गोल गोल कबाब बना ले। अब इन्हें ब्रेड क्रम्ब्स में डाले और अच्छी तरह से कोट कर ले। अब एक पैन पर तेल गरम करें। इसमें कबाब डाले और दोनों तरह से अच्छी तरह से पका ले। ऊपर से थोड़ा और तेल डाले और कुरकुरा भूरा होने दे। गरमा गरम परोसे। अरबी के कबाब को धनिया पुदीना चटनी और सिरके वाले प्याज के साथ परोसे।

मशरूम मटर मसाला

सामग्री: मशरूम 200 ग्राम, हरी मटर 1 कटोरी, टमाटर चार मीडियम साइज, प्याज दो मीडियम साइज, नमक स्वादानुसार, हल्दी दो चम्मच, धनिया पाउडर एक चम्मच, गर्म मसाला आधी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, लहसुन 5-6 कलियां, अदरक एक टुकड़ा, तेल, हरी मिर्च दो।

विधि: मटर और मशरूम हो अच्छे से साफकरने लिए गर्म पानी में इसे उबाल लीजिए। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करके इसमें प्याज, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च और लहसुन को पांच मिनट तक के लिए भून लीजिए। मिक्सचर जब ठंडा हो जाए तो इसे मिक्सी में पीस लीजिए। अब एक कड़ाही गर्म कर उसमें तेल गर्म करिए। तेल गर्म होते ही इसमें जीरा डालिए। टमाटर-प्याज प्यूरी, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक इसमें डाल दीजिए। इस पेस्ट को आपको तब तक पकाना है जब तक ये तेल न छोड़ने लग जाए। जब कड़ाही में आपको तेल दिखने लगे तब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाकर इसे चलाती रहिये। अब इसमें आप मशरूम और मटर डालिए और पांच से सात मिनट के लिए इसे पकने दीजिए। अब ऊपर से इसपर गर्म मसाला और हरी धनिया के बारीक कटे पत्ते डाल दीजिए और एक बार चला दीजिए। लीजिए आपकी गर्मागर्म मशरूम मटर मसाला की रेसिपी तैयार है।

आईफा रॉक्स 2024 को होस्ट करेंगे सिद्धांत चतुर्वेदी-अभिषेक बनर्जी

अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैं 29 सितंबर को आईफा रॉक्स की मेजबानी करते हुए इस परिवार में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं आईफा की विरासत का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आईफ ा) पुरस्कार का आयोजन अबू धाबू में 27 सितंबर से 29 सितंबर के बीच किया जाएगा। तीन दिवसीय इस समारोह का आयोजन यास द्वीप पर होगा। तीन दिन का आईफा अवार्ड्स कार्यक्रम 27 सितंबर को भव्य उत्सव के साथ शुरू होगा, जिसे आईएफ एफ, उत्सवम के तौर पर जाना जाता है। इसमें चार दक्षिण भारतीय फि ल्म उद्योग उत्सव मनाएंगे। इसके बाद 28 सितंबर को आईफा अवार्ड्स होंगे। आखिरी दिन उत्सव का समापन होगा जिसे आईफ ा रॉक्स के नाम से जाना जाता है। आईफ ा रॉक्स की मेजबानी करने के लिए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और अभिषेक बनर्जी को चुना गया है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, मैं आईफ ा रॉक्स की मेजबानी करने के लिए बहुत रोमांचित हूं। यह एक ऐसा मंच है जो मेरे दिल के बहुत ही करीब है। मैं आईफा के मंच पर ढेर सारा जोश लाने के लिए उत्सुक हूं और मैं इस चीज का अनुभव करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता। अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैं 29 सितंबर को आईफ ा रॉक्स की मेजबानी करते हुए इस परिवार में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं आईफा की विरासत का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। स्त्री 2 की सफलता का लुत्फउठा रहे अभिषेक बनर्जी ने शो की मेजबानी को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मैं 29 सितंबर को आईफा रॉक्स की मेजबानी करते हुए इस परिवार में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं आईफा की विरासत का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

तुझे मेरी कसम 13 सितंबर को फिर से होगी रिलीज

वर्ष 2003 में प्रदर्शित फि ल्म तुझे मेरी कसम में रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इस फिल्म का निर्देशन के. विजय भास्कर ने किया था जबकि निर्माण रामोजी राव ने किया था। फिल्म तुझे मेरी कसम, 13 सितंबर को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने के लिए तैयार है। रितेश देशमुख ने कहा कि वह बहुत खुश हैं कि उनकी फिल्म तुझे मेरी कसम सिनेमाघरों में वापस आ रही है। उन्होंने कहा, यह फिल्म सिर्फमेरी पहली फिल्म नहीं थी बल्कि मेरे जीवन में किसी खूबसूरत चीज की शुरुआत भी थी। उन शुरुआती दिनों को फिर से देखना और खास पल को फिर से अपने प्रशंसकों के साथ शेयर करना बहुत अद्भुत है। 13 सितंबर को आपसे मिलते हैं।

जेनेलिया देशमुख ने कहा, तुझे मेरी कसम मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह रखती है, क्योंकि इसने फिल्म इंडस्ट्री और रितेश के साथ मेरी जर्नी की शुरुआत की। मैं प्रशंसकों के साथ इस प्रेम कहानी के जादू को फिर से अनुभव करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

सोनाक्षी सिन्हा ने भाई की वजह से नहीं की ग्रैंड वेडिंग

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल को दो महीने हो गए हैं। शादी बेहद सादगी से हुई, जिसकी चर्चाएं भी खूब रहीं। शादियां की रस्में आम तौर पर कई दिनों तक चलती हैं, लेकिन सोनाक्षी ने 3-4 दिनों तक अलग-अलग रस्मों के साथ होने वाली इस शादी को नहीं चुना। इसके पीछे क्या कारण रहा। ये खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया। उन्होंने बताया कि भाई कुश की शादी के बाद की वजह से उन्होंने ये फैसला लिया। एक्ट्रेस ने दिया और बताया कि उन्होंने सिंपल शादी का फैसला क्यों लिया। एक्ट्रेस ने कहा, दबाव था लेकिन हम इस बात पर बहुत स्पष्ट थे कि हम किस तरह की शादी चाहते हैं और वास्तव मेंए अगर आप कुछ साल पीछे जाएं। जब कुश की शादी हुई थी, तो ये एक ग्रैंड वेडिंग थी। उनकी शादी के हर फंक्शन में लगभग 5,000 से 8ए000 लोग थे। इस शादी के बाद पहली बात जो मैंने अपनी मां से कही वह थी वो ये थी कि मेरी शादी ऐसी नहीं होगी। सोनाक्षी के भाई कुश ने साल 2015 में तरुणा अग्रवाल से शादी की थी। सोनाक्षी ने आगे कहा, इसलिए हम बहुत खास और स्पष्ट थे कि हम इतने तामझाम के साथ शादी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे जीवन में एक बार आता है और यह बहुत खास है इसलिए हम इसे वैसे ही करना चाहते हैं जैसे हम इसे करना चाहते हैं। सोनाक्षी ने आगे बताया कि कुछ दोस्त थे जो हमारे फैसले से खुश नहीं थे। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने जून के आखिरी हफ्ते में अपने घर पर रजिस्टर्ड मैरिज की थी। जिसके बाद उन्होंने उसी शाम रिसेप्शन रखा, जिसमें बॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। सोनाक्षी-जहीर ने सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी कर ली। सोनाक्षी के भाई कुश रिसेप्शन में शामिल हुए, लेकिन लव बहन की शादी के किसी फंक्शन में शामिल नहीं हुए थे।

फरहान अख्तर ने शुरू की फिल्म-120 बहादुर की शूटिंग

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने फि ल्म 120 बहादुर की घोषणा की है। फि ल्म 120 बहादुर में फ रहान अख्तर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फरहान अख्तर ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह यानी पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी कहती है। यह मिलिट्री एक्शन फिल्म 1962 के इंडो-चाइना वॉर के दौरान की कहानी है और रेजांग ला की लड़ाई से प्रेरित है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने दो रोमांचक मोशन पोस्टर जारी किए हैं। फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर

फिल्म 120 बहादुर का पोस्टर शेयर करते हुये लिखा, जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह भाटी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं। 18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस और निःस्वार्थता की कहानी है। हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

अंतर पहचानो

बच्चों दिए गए दोनों चित्रों में कुछ अंतर हैं। तुम्हें इन्हें खोजना है। कम से कम तीन अंतर तो खोजो ही, अगर समझ में नहीं आएं तो अपने मम्मी-पापा से मदद ले सकते हो।

मायावती की सत्ता में लिखी गई थी बिल्डर्स को लूट के छूट की इबारत

नोएडा (चेतना मंच)। बिल्डर्स को लोगों के साथ ठगी करने की इबारत बसपा

सुप्रीमो सुश्री मायावती की सत्ता में लिखी गई थी। जिस पर समाजवादी पार्टी सरकार ने भी मौन साधकर उसका समर्थन किया। नतीजा आज बिल्डर लोगों का अरबों रूपये लेकर खुद को दिवालिया घोषित कर रहे हैं। लुटे-पिटे फ्लैट बॉयर्स चक्कर काट रहे हैं।

हालांकि यह कथा 2007 से आरंभ होती है जब पहली बार बहिन मायावती ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। आवास के लिए आकाश छूती हाईराइज सोसायटियों का युग आ चुका था। जनता दिनों-दिन बढ़ रही थी और जमीन उतनी की उतनी ही थी। आपूर्ति और आवश्यकता के खेल में सरकार और रियल एस्टेट के खिलाड़ियों ने गुल खिलाने शुरू कर दिए। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बिल्डरों को केवल दस प्रतिशत की टोकन मनी पर हजारों और लाखों मीटर भूमि की खैरात बंटने लगी। देखते ही देखते दिल्ली से सटे इन उपग्रहीय शहरों में चारों ओर ऊंची-ऊंची बिल्डिंग नजर आने लगीं। किसी को नहीं पता था कि इन ऊंची बिल्डिंगों के नीचे कितने वर्षों तक अपनी जीवन भर की पूंजी लगाने वाले लोगों के अरमान कुचले जाते रहेंगे। खुद प्राधिकरण अपनी जमीन का पैसा लेना भूल गए।

बिल्डर निश्चिंत होकर एक के बाद दूसरा और एक शहर के बाद दूसरे शहरों में नये नये प्रोजेक्ट खड़े करते गए। चर्चा रही कि तत्कालीन सरकार और उसके बाद की सरकारों ने बिल्डरों से न केवल पैसा लिया बल्कि उनके साथ दुरभि संधियां भी कीं। निवेशकों और असल ग्राहकों के अग्रिम भुगतान पर चले रियल एस्टेट के इस खेल का भांडा बहुत देर तक नहीं फूटा और जब फूटना शुरू हुआ तो किसी को यह समझ नहीं आया कि इसे कैसे संभाला जाए। अखिलेश यादव की सरकार आकर चली गई। फ्लैट बायर्स अपने आशियाने के लिए सड़कों पर आकर छाती पीटने लगे। नोएडा ग्रेटर नोएडा में ऐसे फ्लैट बायर्स की संख्या ढाई लाख बताई जाती है।

योगी आदित्यनाथ की सरकार ने इस समस्या पर ध्यान केंद्रित किया तो समाधान नजर नहीं आ रहा था। बिल्डर खुद को दिवालिया घोषित कराने का मजेदार खेल शुरू कर चुके थे। नीति आयोग के सदस्य रहे अमिताभ कांत की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित कर सुझाव मांगे गए। अमिताभ कांत समिति ने सुझाया कि बिल्डरों से प्राधिकरणों के बकाए का 25 प्रतिशत जमा कराकर बायर्स के फ्लैटों की रजिस्ट्री खोल दी जाए। सरकार ने इस सुझाव पर अमल किया परंतु दिवालिया होने में खुशी अनुभव कर रहे बिल्डर आगे आने को तैयार नहीं हुए। शुरुआत छोटे बिल्डरों से हुई। बड़े बिल्डर अभी भी अड़े हैं। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने ऐसे बिल्डरों के विरुद्ध आर्थिक अपराध शाखा को जांच सौंपने की धमकी दी है।काश कि यह धमकी कोरी साबित न हो। यदि बिल्डरों की जांच आर्थिक अपराध शाखा ने की और यदि यह जांच ईमानदारी से हुई तो भगवान ही जान सकता है कि जांच की आंच कहां से कहां पहुंचेगी।

अनंत चतुर्दशी में बंद हों सभी बूचड़खाने व मांस की दुकानें

नोएडा (चेतना मंच)। 'विश्व जैन संगठन' की नोएडा इकाई ने जैन त्योहार 'अनंत चतुर्दशी' के अवसर

जैन समाज ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

पर गौतमबुद्धनगर में 'बूचड़खाने, मांस की दुकानें' बंद रखने की अपील की है। संगठन ने इस संबंध में गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा।

संगठन के अध्यक्ष के के जैन ने बताया कि जैन धर्म एक बहुत पुराना धर्म है, जो मुख्य रूप से अहिंसा या जियो और जीने दो कि सर्वोच्च क्रम के 'अहिंसा' के सिद्धांतों पर आधारित है। 'दस लक्षण पर्व' 8 सितम्बर से 17 सितम्बर तक चलेगा, जिसके दौरान विभिन्न धार्मिक गतिविधियों का पालन करते हैं जैसे तपस्या, उपवास, प्रार्थना, व्याख्यान आदि करते हैं। आखिरी दिन 'अनंत चतुर्दशी' होती है जो इस वर्ष 17 सितंबर 2024 को है यह जैन लोगों के लिए बहुत पवित्र दिन होता है। जैन धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है जो कि पूरे जैन समाज द्वारा इस पर्व को हर्षोल्लास से मनाते हैं। जिलाधिकसरी ने 'अनंत चतुर्दशी' के अवसर पर जिले के सभी बूचड़खानों, मांस की दुकानों को बंद करने का आश्वाशन दिया और संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस अवसर पर अध्यक्ष के के जैन, महासचिव दिनेश जैन,पंकज जैन, दीपक जैन, प्रदीप जैन, हरीश जैन तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को, तैयारी तेज

नोएडा (चेतना मंच)। प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना अधिनियम वादों के अधिक

से अधिक निस्तारण के लिए कुनाल वेपा पीठासीन अधिकारी न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के साथ आयोजित हुई बैठक।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना के दिशा निर्देशन में 14 सितंबर को जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु श्रीमती ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर द्वारा कुनाल वेपा पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण गौतमबुद्धनगर के विश्रामकक्ष में बैठक आहूत की गई। जिसमें अधिक से अधिक वाद चिन्हित एवं निस्तारण के संबंध मे तथा राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु पक्षकार को सूचित करने के संबंध में तथा व्यापक प्रचार प्रसार के संबंध में चर्चा की गई तथा इस संबंध में न्यायालय कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

बैठक में कुनाल वेपा पीठासीन अधिकारी न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण गौतमबुद्धनगर एवं श्रीमती ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर उपस्थित रहे।

मॉल आफ नोएडा व होलीडेज इन पर 5-5 लाख का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 27 आवेदनों को स्वीकृत किया जायेगा। 16 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 03 आवेदन राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किये गये हैं।

जिलाधिकारी ने टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त

की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए। साथ ही निर्देश दिए कि बरसात का मौसम चल रहा है सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाईराइज सोसाइटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

जिला भूगर्भ जल अधिकारी ने बताया कि अवैध भूजल दोहन करने पर मॉल ऑफ नोएडा 01/क्र सेक्टर 98 नोएडा पर 05 लाख रुपए, होलीडेज इन सेक्टर-04 ग्रेटर नोएडा पर 05 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन, जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मवीर सिंह, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नगर, पुलिस के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते नन्हें-मुन्ने छात्र। कक्षा-1 के छात्र रईस (7 वर्ष) ने कान्हा का रूप धारण कर नृत्य करके सभी का मन मोह लिया। रईस सेक्टर-12 निवासी युवा कांग्रेस नेता परवेज के पुत्र हैं।

विद्यालयों में बालिकाओं के लिए होंगे आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

नोएडा (चेतना मंच)। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण हेतु जनपद के 28 राजकीय विद्यालयों में (3 माह के लिये) आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन 40 मिनट होगी, जिसके लिए प्रति विद्यालय 15000 रूपये की धनराशि मानदेय के रूप में प्राप्त हुई है। प्रशिक्षण हेतु ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा, जिसके पास मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट योग्यता का प्रमाण-पत्र हो। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिए की प्रशिक्षकों के चयन हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए एवं आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का संबंधित अधिकारियों द्वारा वभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिये गये कि जनपद के समस्त माध्यमिक विद्यालयों में भी आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान कराया जाये, जिसकी व्यवस्था विद्यालय स्तर से सुनिश्चित की जाये। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस दल समेत एसीपी ने किया कई क्षेत्रों में फ्लैग मार्च

नोएडा (चेतना मंच)।

पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह के निर्देशन में व एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र के पर्यवेक्षण में एसीपी-1 नोएडा प्रवीण कुमार द्वारा थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-37, सेक्टर-45, सेक्टर-132, सदरपुर, कांशीराम कॉलोनी, ग्राम छलेरा व आस-पास के भीड़भाड़ वाले स्थानों के आस-पास पुलिस बल के साथ पैदल मार्च करते हुए संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग तथा शराब की दुकानों की व उनके आस पास चैकिंग अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

उनके द्वारा थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि सभी पीसीआर, पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार पैट्रोलिंग की जाये व संदिग्ध प्रतीत हो रहे वाहनों को बैरिकेड लगाकर चेक किया जाये। अत्यधिक यातायात के दबाव वाले मार्गों पर यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखा जाये।